नई दिल्ली ■ गुरुवार 01 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 274 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

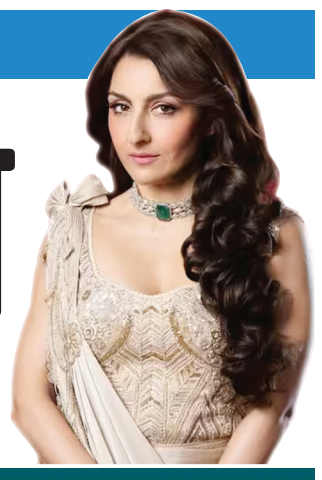

04 नववर्ष जीवन को मंगलमय बनाने के लिए संकल्प लेने का दिन | 07 ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्टिन अस्पताल में भर्ती | सोहा अली खान ने झटपट बनाया हेल्दी... 08

# कैबिनेट: ओडिशा में एनएच-326 चौड़ीकरण को मंजूरी

**नई दिल्ली।** केन्द्र सरकार ने आज एनएच(O) के तहत ईपीसी मोड पर ओडिशा में एनएच-326 के केएम 68.600 से केएम 311.700 तक मौजूदा 2-लेन सड़क को पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन में चौड़ा करने और मजबूत करने को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने परियोजना को मंजूरी दी। परियोजना की कुल पूंजी लागत 1,526.21 करोड़ रुपये है, जिसमें 966.79 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत शामिल है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 14 अगस्त 2012 की गजट अधिसूचना के जरिए ओडिशा राज्य में अस्का के पास एनएच-59 के साथ अपने जंक्शन से शुरू होकर, मोहना, रायपंका, अमलाभाटा, रायगड़ा, लक्ष्मीपुर से गुजरते हुए और चिंतूर के पास एनएच-30 के साथ अपने जंक्शन पर खत्म होने वाले राजमार्ग को एनएच-326 घोषित किया है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर (एनएमसी) में पत्रकार वार्ता में कहा कि इस अपग्रेडेशन से मोहना-कोरापुट से प्रमुख आर्थिक और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर तक सीधी और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यह एनएच-26, एनएच-59, एनएच-16 और रायपुर-विशाखापत्तनम कॉरिडोर से जुड़ेगा और गोपालपुर बंदरगाह, जयपुर हवाई अड्डे और कई रेलवे स्टेशनों तक लास्ट-माइल पहुंच में सुधार करेगा। यह परियोजना दक्षिणी ओडिशा (गजपति, रायगड़ा और कोरापुट जिले) में स्थित है विशेष रूप से गजपति, रायगड़ा और कोरापुट जिलों को फायदा होगा। बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से स्थानीय समुदायों, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन केंद्रों को बाजारों, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसरों तक बेहतर पहुंच से सीधा फायदा होगा, जिससे क्षेत्र के समावेशी विकास में योगदान मिलेगा।

## प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र, ओडिशा को लेकर कैबिनेट के फैसलों को बताया प्रगति का बड़ा कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में केंद्रीय मंत्रिमंडल के दो अहम फैसलों को प्रगति की दिशा में बड़ा कदम बताया। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ओडिशा और महाराष्ट्र से जुड़ी इन परियोजनाओं की जानकारी साझा की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि ओडिशा की प्रगति को नई गति मिलेगी। केंद्रीय कैबिनेट ने ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी है। इस परियोजना से गजपति, रायगढ़ा और कोरापुट जिलों में यात्रा तेज होगी और कनेक्टिविटी बेहतर बनेगी। इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा तथा आदिवासी क्षेत्रों में समावेशी विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के लिए स्वीकृत 6-लेन नासिक–सोलापुर–अक्कलकोट ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को 'नेक्स्ट-जेनरेशन इंफ्रास्ट्रक्चर' का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति के अनुरूप यह परिवर्तनकारी परियोजना यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी लाएगी, पश्चिम से पूर्व की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, लॉजिस्टिक्स को सशक्त बनाएगी और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी, जिससे आर्थिक विकास को नई ताकत मिलेगी। दोनों ही परियोजनाओं को देश के समग्र और संतुलित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

## नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट कॉरिडोर निर्माण को मंजूरी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने बुधवार को महाराष्ट्र में बीओटी (टोल) मोड पर 6-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट कॉरिडोर निर्माण को मंजूरी दी। इस परियोजना की लंबाई 374 किमी है और इसकी कुल लागत 19,142 करोड़ रुपये है। परियोजना नासिक, अहिल्यानगर, सोलापुर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों को कुरनूल से जोड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने आज इस परियोजना को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर (एनएमसी) में पत्रकार वार्ता में कहा कि नासिक से अक्कलकोट तक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को वधावन पोर्ट इंटरचेंज के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, नासिक में एनएच-60 (अडेगांव) के जंक्शन पर आगरा-मुंबई कॉरिडोर और पांगरी (नासिक के पास) में समृद्धि महामार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर पश्चिमी तट से पूर्वी तट तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। चेन्नई पोर्ट छोर से चेन्नई से हासापुर (एमएच बॉर्डर) तक तिरुवल्लूर, रेनिगुंटा, कडप्पा और कुरनूल (700 किमी लंबा) होते हुए 4-लेन कॉरिडोर पहले से ही बन रहा है। प्रस्तावित एक्सेस-कंट्रोल्ड छह-लेन ग्रीनफील्ड परियोजना कॉरिडोर का मुख्य उद्देश्य यात्रा दक्षता में सुधार करना है और इससे यात्रा का समय 17 घंटे कम होने और यात्रा की दूरी 201 किमी कम होने की उम्मीद है। यह परियोजना लगभग 251.06 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार और 313.83 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगा। यह परियोजना प्रस्तावित कॉरिडोर के आसपास आर्थिक गतिविधि में वृद्धि के कारण अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

## भारतीय अर्थव्यवस्था के चुनौतियों के बावजूद मजबूत वृद्धि कायम रखने की संभावना : RBI रिपोर्ट

**मुंबई।** वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि बनाए रखने की संभावना है और इसे मजबूत घरेलू मांग, नियंत्रित मुद्रास्फीति एवं संतुलित व्यापक आर्थिक नीतियों से समर्थन मिल रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। आरबीआई ने अपनी 'वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट' (एफएसआर) में कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी और नकदी भंडार है, उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है और लाभ भी मजबूत बना हुआ है। आरबीआई ने कहा, रुघरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत है जिसे सुदृढ़ बहीखाते, अनुकूल वित्तीय हालात और वित्तीय बाजारों में कम उतार-चढ़ाव से समर्थन मिला है। हालांकि, निकट अवधि में भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता से जोखिम बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक के व्यापक दबाव परीक्षण के परिणाम इसकी पुष्टि करते हैं कि बैंक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संभावित नुकसान सहन कर पाने में सक्षम हैं और उनकी पूंजी नियामकीय न्यूनतम स्तर से काफी ऊपर बनी रहेगी। रिपोर्ट में म्यूचुअल फंड कंपनियों और

समाशोधन निगमों की स्थिति को भी मजबूत बताया गया है। इसके अलावा, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) पर्याप्त पूंजी, स्थिर आय और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के कारण मजबूत बनी हुई हैं। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा क्षेत्र में भी बहीखाते की स्थिति मजबूत है और एकीकृत सॉल्वेंसी अनुपात भी तय न्यूनतम सीमा से ऊपर है। सॉल्वेंसी अनुपात बीमा क्षेत्र में किसी कंपनी की दीर्घकालिक देनदारियों को पूरा करने और पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करने की क्षमता को मापता है। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के उस सामूहिक आकलन को दर्शाती है, जिसमें भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती और वित्तीय स्थिरता से जुड़े जोखिमों का मूल्यांकन किया गया है।

## दर्द निवारक दवा 'निमेसुलाइड' पर प्रतिबंध

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने त्वरित दर्द से मुक्ति दिलाने वाली दवा 'निमेसुलाइड' के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है और साथ ही इसके किसी भी 100 मिलीग्राम से अधिक मात्रा वाले मौखिक फॉर्मूलेशन की बिक्री पर भी रोक लगा दी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से एक अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 'निमेसुलाइड' के मानव शरीर पर विपरीत प्रभाव हो सकते हैं और इस दवा के विकल्प भी आसानी से उपलब्ध हैं। इसको देखते हुए ड्रग एवं कॉस्मेटिक एक्ट, 1940 के अनुच्छेद 26ए का उपयोग करते हुए ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड के परामर्श पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### रिश्वत लेने के आरोप में IRS समेत पांच गिरफ्तार, 1.60 करोड़ बरामद

**लखनऊ।** केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) झांसी कार्यालय में रिश्वतखोरी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में सीबीआई ने एक आईआरएस अधिकारी और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के दो अधीक्षकों, एक वकील और एक निजी कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बयान जारी कर बताया कि पकड़े गए और अन्य लोगों के खिलाफ जीएसटी चोरी के मामलों में निजी फर्मों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले डेढ़ करोड़ रुपये की मांग करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में झांसी सीजीएसटी में तैनात डिप्टी कमिश्नर आईआएस प्रभा भंडारी ने निजी फर्मों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले 1.5 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रिश्वत की मांग की थी। शिकायत दर्ज होने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और बुधवार को डिप्टी कमिश्नर प्रभा के कहने पर 70 लाख रुपये की पहली किस्त लेते हुए अधीक्षक अनिल तिवारी और अजय कुमार शर्मा को रंगे हाथों धर दबोचा लिया।

### जगतपुरी इलाके मकान में लगी भीषण आग, दो की मौत

**नई दिल्ली।** जगतपुरी इलाके में बुधवार दोपहर उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक रिहायशी मकान में अचानक आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार देख आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ दमकल विभाग की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकलकर्मियों और पुलिस ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य चलाया। इस दौरान मकान के अंदर फंसे प्रेम सागर मल्होत्रा (75) और उनकी पत्नी आशा मल्होत्रा (65) को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। दोनों को तुरंत गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### आईजीएल ने पीएनजी के दाम 0.70 पैसे प्रति यूनिट घटाए, नई दरें 01 जनवरी से प्रभावी

**नई दिल्ली।** नए साल की पूर्व संध्या पर लोगों के लिए राहत देने वाली खबर आई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने दिल्ली-एनसीआर में पाइप के जरिए घरों में जाने वाली रसोई गैस पीएनजी के दाम में 0.70 पैसे प्रति क्यूबिक मीटर की कटौती की है। नई दरें एक जनवरी, 2026 से होगा लागू। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने बुधवार को एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि पीएनजी के दाम में दिल्ली-एनसीआर में 70 पैसे प्रति घन मीटर की कटौती की गई है, एक जनवरी, 2026 से नई दिल्ली में इसकी कीमत 47.89 प्रति क्यूबिक मीटर होगी। कंपनी ने बताया कि कीमतों में कटौती के बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में अब इसकी कीमत घटकर 47.89 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर, गुरुग्राम में 46.70 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर और नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 47.76 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर होगी। कंपनी ने कहा कि आईजीएल 2026 में कदम रखते हुए स्वच्छ ऊर्जा को सुलभ और किफायती बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

## दिल्ली में करोड़ों की अवैध संपत्ति का भंडाफोड़

### प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से हड़कंप

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्वप्रिय विहार क्षेत्र में प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के एक बड़े मामले में छापेमारी कर करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में नकदी, बहुमूल्य आभूषण तथा संपत्तियों से जुड़े अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। अचानक हुई इस छापेमारी से इलाके में हड़कंप मच गया।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 30 दिसंबर को शुरू की गई इस कार्रवाई में अब तक 5 करोड़ 12 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इसके अलावा लगभग 8 करोड़ 80 लाख रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण एक सूटकेस में मिले हैं। अधिकारियों को करीब 35 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज, चेकबुक और अन्य कागजात भी हाथ लगे हैं। निदेशालय की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन के गंभीर मामले में इंदरजीत सिंह यादव और उसके सहयोगियों के खिलाफ की जा रही है। ठोस साक्ष्यों के आधार पर सर्वप्रिय विहार में उसके करीबी सहयोगी अमन कुमार के आवास पर तलाशी ली गई। छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेजों से अवैध धन के बड़े नेटवर्क की पुष्टि होती है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, इंदरजीत सिंह यादव पर अवैध वसूली, निजी साहूकारों के ऋणों का जबरन निपटारा, हथियारों के बल पर धमकी देने और इन गतिविधियों से कमीशन अर्जित करने जैसे गंभीर आरोप हैं। उसके खिलाफ हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 15 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें कई में आरोप पत्र भी दाखिल किए जा चुके हैं।

## इंदौर में दूषित पानी से अब तक 10 की मौत

### मुख्यमंत्री ने इंदौर पहुंचकर पीड़ियों से की मुलाकात

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से हुई मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां बुधवार को दो और पीड़ितों की मौत हो गई। इनमें पांच माह का एक बच्चा और एक बुजुर्ग शामिल है।

इसके बाद इंदौर में दूषित पानी पीने से मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। वहीं, अब भी 150 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार शाम डॉ. मोहन यादव इंदौर पहुंचे। यहां अलग-अलग अस्पताल जाकर बीमार लोगों से मुलाकात की।

इससे पहले इंदौर में मंगलवार देर रात तक 8 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी थी। इनमें नंदलाल पाल (75), उर्मिला यादव (69), उमा कोरी (31), मंजुला पति दिगंबर (74) और सीमा प्रजापत (50), गोमती रावत (50), उमा कोरी (31), संतोष बिगोलिया शामिल हैं। बुधवार को भागीरथपुरा में पांच माह के अव्यान साहू ने दम तोड़ा। अव्यान की मां का कहना है कि सरकार बच्चों की मौत क्यों नहीं बताती। निश्चित तौर पर और भी बच्चे दूषित पानी का शिकार हुए होंगे। परिजन के मुताबिक, 5 माह के अव्यान को बाहरी दूध पिलाया जाता था। इसमें पानी मिला होता था। इसके अलावा एक बुजुर्ग की भी मौत हुई है। बुधवार को भी बस्ती में 100 से ज्यादा स्थानों पर पानी के सेंपल लिए गए और जांच के लिए भेजे।

सुबह बस्ती में पानी की सप्लाई की गई, लेकिन ज्यादातर लोगों ने नलों के पानी का सेवन पीने के लिए नहीं किया। टैंकरों से भी बस्ती में सप्लाई होती रही। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक 1100 मरीजों का इलाज किया जा चुका है।

### हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से दस लोगों की मौत के मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में बुधवार को दो जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से दो जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। मामले में जनहित याचिका वकील रितेश इनानी ने दायर की है। एक अन्य याचिका पूर्व पार्षद महेश गर्ग और प्रमोद द्विवेदी ने दायर की है। एडवोकेट याचिका में इसमें दोषी अफसर के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि आम आदमी की जान के साथ अफसरों ने लापरवाही की। मामले के दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।कोर्ट ने सरकार से इस मामले की 2 जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा है। एडवोकेट इनानी ने बताया कि कोर्ट ने पीड़ितों का निशुल्क इलाज करने के निर्देश भी दिए हैं।

## ओडिशा तट पर एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइलें दागने का सफल रहा परीक्षण

### वायु सेना और भारतीय सेना के साथ शामिल करने की तैयारी जल्द होगी शुरू

**नई दिल्ली।** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को ओडिशा के तट पर एक ही लॉन्चर से एक के बाद एक दो प्रलय मिसाइलें लॉन्च कीं। दोनों मिसाइलों ने तय रास्ते पर चलते हुए सभी उड़ान मानक पूरे किए, जिसकी पुष्टि ओडिशा के चांदीपुर में लगाए गए ट्रैकिंग सेंसर ने की। सफल परीक्षण के बाद अब इस मिसाइल प्रणाली को वायु सेना और भारतीय सेना के साथ शामिल करने की तैयारी जल्द ही शुरू हो जाएगी।

डीआरडीओ ने आज सुबह करीब 10:30 बजे चांदीपुर के आईटीआर से एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइलें एक के बाद एक सफलतापूर्वक लॉन्च कीं। यह उड़ान परीक्षण उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षण के हिस्से के तौर पर किया गया था। दोनों मिसाइलों ने तय रास्ते पर चलते हुए सभी उड़ान उद्देश्य पूरे किए। प्रलय देश में बनी ठोस प्रणोदक अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है, जो अलग-अलग लक्ष्यों पर कई तरह के वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। डीआरडीओ ने इस मिसाइल को विकसित किया है, जिसका परीक्षण रेंज 475 किलोमीटर तक था। सतह से सतह पर मार करने वाली इस मिसाइल की मारक क्षमता 500 किमी. तक है।

इस मिसाइल को पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर तैनात किये जाने की मंजूरी सरकार से मिल चुकी है। मिसाइल की जद में पाकिस्तान के कई प्रमुख एयरबेस और महत्वपूर्ण चीनी ठिकाने आएंगे। इस मिसाइल को उच्च-स्तरीय दुश्मन ठिकानों, जैसे हवाई अड्डे, आपूर्ति डिपो और सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले के लिए डिजाइन किया गया है।

## दिल्ली-एनसीआर में घना कोहरा, हवा बेहद खराब

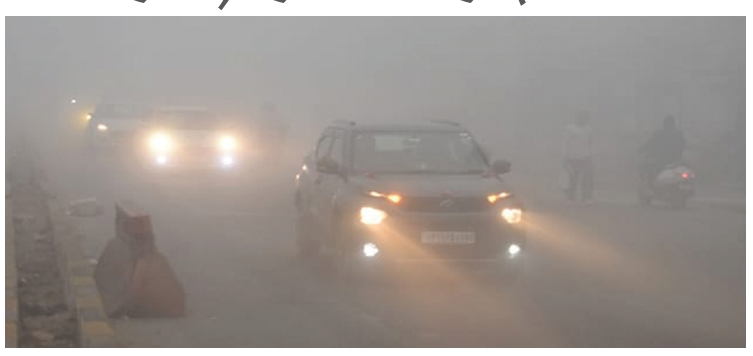

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह से ही घना कोहरा और धुंध की मोटी परत छाई हुई है। तापमान में भी काफी गिरावट देखने को मिल रही है। दिल्ली में अपराह्न 3 बजे औसत वायु गुणवता सूचकांक (एक्यूआई) 309 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

एक्यूआई वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में दोपहर 3 बजे एक्यूआई 309 दर्ज किया गया। नोएडा का 339, गाजियाबाद 353, फरीदाबाद 286 और गुरुग्राम में 278 दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सुबह घने कोहरे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। न्यूनतम तापमान 7-8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है। नए साल पर हल्की बारिश की संभावना है, जो प्रदूषण से थोड़ी राहत दे सकती है। अगले कुछ दिनों तक उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ने की चेतावनी दी गयी है।

# प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों के साथ की जिले के विकास कार्यों और विद्युत योजनाओं की समीक्षा

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री, लोक निर्माण विभाग एवं जनपद गौतमबुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने बुधवार को जनपद के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद के अलावा जिले के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिला विद्युत समिति की भी समीक्षा की। यह समीक्षा बैठकें ग्रेटर नोएडा स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने जनपद में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा की।

समीक्षा के अंतर्गत राजस्व संग्रह, राजस्व वादों का निस्तारण, आईजीआरएस, कृषि, पशुपालन, बाल विकास एवं पुष्टाहार, चिकित्सा, वन, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, जल जीवन मिशन (शहरी एवं ग्रामीण), मत्स्य, उद्यान, पूर्ति, पर्यटन विकास, जिला उद्योग केंद्र, विद्युत, महिला कल्याण, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, एनआरएलएम, पंचायती राज, नगर विकास, प्रधानमंत्री आवास योजना, कौशल विकास योजना, अतिरिक्त ऊर्जा, सहकारिता, श्रम विभाग तथा लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों में संचालित योजनाएं शामिल रहीं। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के उच्च मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं।

्रउन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को शीघ्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समाधान केवल औपचारिकता न होकर संतोषजनक एवं प्रभावी होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जनता से सीधे संवाद स्थापित कर योजनाओं को पंक्ति में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी मेधा रूपम ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का संबंधित अधिकारियों के माध्यम से पालन कराया जाएगा तथा विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं में और अधिक गतिशीलता लाकर उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जाएगा। वहीं ने जनपद में संचालित विद्युत विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से बिजली बिल राहत योजना, विद्युत तंत्र सुदृढ़ीकरण के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति, बिजनेस प्लान योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों तथा गत वर्ष की तुलना में क्षतिग्रस्त परिवर्तकों (ट्रांसफॉर्मर) की संख्या में आई कमी से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा की।

उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली बिल राहत योजना का लाभ पात्र उपभोक्ताओं तक समय से एवं बिना किसी बाधा के पहुंचे। उन्होंने कहा कि विद्युत तंत्र का सुदृढ़ीकरण सरकार की प्राथमिकताओं है, जिससे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बिजनेस प्लान योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने, कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा तकनीकी मानकों का पूर्ण रूप से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही क्षतिग्रस्त परिवर्तकों की संख्या में कमी को सकारात्मक उपलब्धि बताते हुए भविष्य में भी रख-रखाव व्यवस्था को और मजबूत करने को कहा।

बैठक में सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, विधायक पंकज सिंह, विधायक धीरेंद्र सिंह, विधायक तेजपाल नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी व श्रीचंद शर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, नगर पालिका दादरी की अध्यक्ष गीता पंडित, एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजीव नारायण मिश्र, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण लक्ष्मी वीएस, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण वंदना त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, मुख्य अभियंता विद्युत विभाग संजय जैन सहित अन्य उपस्थित रहे।

# सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, चार घायल

**नोएडा।** बाइक पर सवार होकर जा रहे दो युवकों को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई। घटना मंगलवार रात 12:30 बजे की है। बताया जाता है कि दोनों एक अस्पताल में काम करते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बुधवार को बताया कि बीती रात को रोहन उम्र 22 वर्ष तथा बसंत उम्र 23 वर्ष एक बाइक पर सवार होकर 12:30 बजे के करीब सेक्टर 37 के पास से गुजर रहे थे, तभी शहीद स्मारक के पास अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दिया। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, वहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि दोनों मेट्रो अस्पताल में नौकरी करते थे। सेक्टर 37 में रहने वाले उनके दोस्त के यहां देर रात को एक जन्मदिन की पार्टी थी। वहां से पार्टी करके दोनों बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे कैमरे की सहायता से मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के जीआईपी मॉल के पास बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में हाकिम सिंह उम्र 50 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां से उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया गया है। वहीं थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 19 चौराहे के पास बीती रात को हर्ष और अखिल नामक दो युवकों की बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, वहां से उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया गया है। थाना फेस-दो क्षेत्र के भंगेल गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में रामदीन उम्र 25 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पत्नी और साले ने उन्हें उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। थाना फेस दो क्षेत्र के भंगेल गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में रामदीन नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

# हॉकी के जिला स्तरीय ट्रायल कल

**ग्रेटर नोएडा।** प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल शुक्रवार को एस्टर पब्लिक स्कूल में होंगे।

प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली ने बताया कि मेरठ में सब जूनियर बालिका वर्ग में 07 से 12 जनवरी तक उत्तर प्रदेश हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 2 जनवरी को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा दो स्थित एस्टर पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय हॉकी के ट्रायल होंगे। उसमें चयनित खिलाड़ी 5 जनवरी को मेरठ के कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाले मंडलीय ट्रायल में भाग लेंगी।

## मलकपुर में होंगे बालिका कुश्ती के ट्रायल

**ग्रेटर नोएडा।** प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में होंगे। आजमगढ़ के क्षेत्रीय खेल कार्यालय में 9 से 11 जनवरी तक उत्तर प्रदेश जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए को 2 जनवरी को सूरजपुर स्थित मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम जिला स्तरीय ट्रायल का आयोजन। ट्रायल में 50, 53, 55, 57, 59, 62, 65, 68, 72 और 76 किग्रा भार वर्ग में खिलाड़ी भाग लेंगी। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी मेरठ स्थित कैलाश प्रकाश स्टेडियम में पांच जनवरी को होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगी।

## सात विकेट से जीते फ्रेश स्टार्स

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सेंचुरियन क्रिकेट मैदान पर चल रहे सेंचुरियन लीग सीजन-14 के लीग मैच में फ्रेश स्टार्स ने रोवर्स-11 को 7 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी रोवर्स-11 की टीम ने टी-20 मैच में तीन विकेट के नुकसान पर 199 का स्कोर खड़ा किया। निखिल ने 56 गेंद पर 113 रनों की पारी खेली। लक्ष्य का पीछे करने उतरी फ्रेश स्टार्ज की टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाकर मैच में जीत हासिल की। राहुल शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

# वाहन चोरी के गिरोह के 3 शातिर बदमाश गिरफ्तार चोरी की 9 मोटरसाइकिल और पार्ट्स बरामद

**नोएडा।** दिल्ली एनसीआर के जनपदों में रेकी कर वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह के 3 शातिर बदमाशों को थाना सेक्टर-113 पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 9 मोटर साइकिल और एक मोटरसाइकिल के पार्टस बरामद किया है।

डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर-113 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से एनसीआर के जनपदों में रेकी कर वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह के 3 शातिर बदमाश फूल सिंह उर्फ मोनू पुत्र कैलाश, राजेन्द्र उर्फ छोटे पुत्र कुंवरपाल तथा राजपाल उर्फ भोला पुत्र ज्ञानी को एफएनजी सर्विस रोड ग्रीन बेल्ट सेक्टर-123 नोएडा से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से एनसीआर क्षेत्र में चोरी की 9 मोटर साइकिल व एक मोटरसाइकिल के पार्टस बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ पर पता चला है कि अभियुक्त दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में रेकी कर मोटरसाइकिल चोरी करते थे। चोरी करने के बाद जिला बदायूं में ग्राहक मिलने पर नोएडा से पार्टस या पूरी मोटरसाइकिल डिमाण्ड के अनुसार ले जाते थे और उन्हें बेच देते थे। जो रूपये इनको मोटरसाइकिल व मोटरसाइकिल के पार्टस बेचकर मिलते थे उनको आपस में बराबर बांटकर खर्च कर लेते थे। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों ने चोरी की कई वारदातें की है। जिनके संबंध में जानकारी की जा रही है।

# खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी: रेस्टोरेंट से नमूने लिए गए, सफाई और मानक जांच की गई

**नोएडा।** जनपद गौतमबुद्ध नगर के निवासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर विभिन्न प्रतिष्ठानों से 2 खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि आज खाद्य सुरक्षा विभाग की अलग अलग टीमों द्वारा जनपद गौतमबुद्ध नगर में एक साथ विभिन्न रेस्टोरेंट पर प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए निरीक्षण एवं छापा, नमूना संग्रहण की कार्यवाही जारी रखी गई।

उन्होंने बताया कि सेक्टर-43 नोएडा स्थित सबवे रेस्टोरेंट से पनीर टिक्का का 1 नमूना खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी सिंह द्वारा लिया गया। गोल्डन आई दादरी स्थित मैकडॉनल्ड रेस्टोरेंट से वेज बर्गर का 1 नमूना खाद्य सुरक्षा अधिकारी सय्यद इबादुल्लाह द्वारा लिया गया।

उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा वेनिस मॉल स्थित वाव मोमोज , वाव चाइना, वाडा स्ट्रीट, फाइव आयरन गोल्फ बार एंड रेस्टोरेंट, थाई बड़ा का निरीक्षण किया गया तथा वाव मोमोज पर साफ-सफाई की उचित व्यवस्था न होने तथा जीआईपी मॉल सेक्टर-38 नोएडा में मैकडोल्ड, केएफसी एवं ब्रेड स्टोरी का निरीक्षण मिली कमियों को दूर करने के लिए नोटिस जारी किए गए। इसके अतिरिक्त विजय बहादुर पटेल एवं रविंद्र नाथ वर्मा के द्वारा सेक्टर-129 नोएडा स्थित पिज्जा हट, नाथू स्वीट का निरीक्षण किया गया एवं साफ सफाई व्यवस्था सही न पाए जाने पर नोटिस जारी किया जा रहा है।

सेक्टर-62 नोएडा स्थित ब्लैक काफी का निरीक्षण अमर बहादुर सरोज द्वारा किए जाने पर विभिन्न कमियां पाए जाने पर सुधार नोटिस जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 2 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला प्रेषित भेजा गया है। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

# जीएल बजाज की एनसीसी कैडेट सुहानी शर्मा का रिपब्लिक डे कैंप 2025–26 के लिए चयन

**ग्रेटर नोएडा।** जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के लिए यह गर्व का क्षण है कि संस्थान की एनसीसी कैडेट सुहानी शर्मा (कैडेट नंबरः UP23SWA352283) का चयन प्रतिष्ठित रिपब्लिक डे कैंप (RDC) 2025–26 के लिए किया गया है। चयन के साथ ही वह एनसीसी 31 यूपी गर्ल्स बटालियन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश निदेशालय का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगी।

कैडेट सुहानी शर्मा 27 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के कैंट गेरिसन परेड ग्राउंड स्थित कैंप स्थल के लिए रवाना हो चुकी हैं। यह रिपब्लिक डे कैंप 27 दिसंबर 2025 से 29 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से चयनित सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट्स भाग लेते हैं। सुहानी शर्मा का यह चयन उनके अनुशासन, कड़ी मेहनत, नेतृत्व क्षमता और एनसीसी के मूल्यों के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उनकी इस उपलब्धि के पीछे डीन स्टूडेंट वेलफेयर नरुका, एएनओ अंजना और सीटीओ रिया सचदेवा का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन से वह इस मुकाम तक पहुंच सकीं। इस अवसर पर जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि कैडेट सुहानी शर्मा का रिपब्लिक डे कैंप के लिए चयन यह दर्शाता है कि संस्थान छात्रों में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और मूल्यों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सुहानी ने पूरे जीएल बजाज परिवार को गौरवान्वित किया है। वहीं संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्तिकेय अग्रवाल ने कहा कि यह उपलब्धि सही मार्गदर्शन, परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

उन्होंने कैडेट सुहानी शर्मा को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वह राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट की ओर से कैडेट सुहानी शर्मा को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी गई है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है।

# बिजली आपूर्ति को विश्वसनीय और सतत बनाने पर सरकार का फोकस : रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी को विकसित, आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बिजली का सुदृढ़, विश्वसनीय और भविष्य के अनुरूप प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार बढ़ती बिजली मांग को ध्यान में रखते हुए पारेषण (ट्रांसमिशन) और वितरण (डिस्ट्रिब्यूशन) व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ठोस और दूरदर्शी कदम उठा रही है। बिजली व्यवस्था को लेकर हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में बिजली क्षेत्र के मौजूदा कार्यों और वर्ष 2029 तक की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बिजली मंत्री आशीष सूद, बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) तथा राजधानी की सभी डिस्कॉम के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि दिल्ली में अगले तीन वर्षों के दौरान लगभग 17,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना को लागू किया जाएगा। इसके तहत डीटीएल और डिस्कॉम पारेषण लाइनों, ग्रिड सब-स्टेशनों और

वितरण नेटवर्क को सशक्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन निवेशों का उद्देश्य केवल नई क्षमता जोड़ना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि राजधानी के प्रत्येक क्षेत्र में निर्बाध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध हो।

बैठक में जानकारी दी गई कि दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2025 में राजधानी की पीक बिजली मांग लगभग 8,400 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। दिल्ली में बिजली की मांग में औसतन हर वर्ष 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है, जिसका मुख्य कारण बढ़ती आबादी, एयर कंडीशनर व अन्य विद्युत उपकरणों का अधिक उपयोग तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाया जाना है। यह भी स्पष्ट किया गया कि दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग प्रायः गर्मी के महीनों, विशेषकर जून और जुलाई में दर्ज की जाती है। बैठक में बताया गया कि दीर्घकालिक आकलन के अनुसार यदि वर्तमान रुझान जारी रहा तो वर्ष 2030 तक दिल्ली की अधिकतम बिजली मांग 11,500 से 12,000 मेगावाट के स्तर तक पहुंच सकती है। वहीं दीर्घकालिक परिदृश्य में वर्ष 2040 तक यह मांग लगभग 19,000 से 20,000 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस बढ़ती मांग को चुनौती नहीं बल्कि अवसर मानते हुए बिजली तंत्र को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ढाल रही है, ताकि वर्ष 2029 तक भी दिल्ली में बिजली आपूर्ति पर कोई दबाव न पड़े। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा दिल्ली के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने इस योजना को अधिक आकर्षक और नागरिकों के अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशेष रूप से सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना को तेज करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सौर ऊर्जा के लाभों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी शुरू करेगी। मुख्यमंत्री ने डीटीएल व वितरण कंपनियों को अंतिम छोर तक बिजली आपूर्ति को और बेहतर बनाने, फॉल्ट की स्थिति में तेजी से बहाली और उपभोक्ताओं को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

मुख्यमंत्री को यह भी बताया गया कि कृषि भूमि पर सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया को सरल बनाया जा रहा है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल दिल्ली के ऊर्जा प्रबंधन को गति देगी और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने में सहायक होगी। बैठक में अनुपयोगी और कम उपयोग में आ रही भूमि के बेहतर उपयोग पर भी विचार किया गया।

मुख्यमंत्री ने डिस्कॉम को निर्देश दिए कि वे फ्लाईओवरों के नीचे और अन्य उपयुक्त स्थानों पर वितरण संरचना स्थापित करने की संभावनाओं का गंभीरता से अध्ययन करें, ताकि भूमि की कमी के बावजूद बिजली तंत्र को और अधिक कुशल बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करना नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में राजधानी को विश्वसनीय, सतत और उपभोक्ता-केंद्रित बिजली व्यवस्था का आदर्श मॉडल बनाना है। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों से वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, आपसी समन्वय मजबूत करने और सभी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार 'विकसित दिल्ली' की परिकल्पना को प्रभावी रूप से साकार करने के लिए राजधानी के बिजली तंत्र को मजबूत, आधुनिक और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने को कृतसंकल्प है। इसी दिशा में सरकार लगातार तदम उठा रही है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्थायी ऊर्जा भविष्य मिल सके।

# सिरसा ने राजौरी गार्डन में अटल कैंटीन का किया शुभारंभ

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को राजौरी गार्डन क्षेत्र के एफ एक्सटेंशन ख्याला में अटल कैंटीन का शुभारंभ किया।

इस दौरान मंत्री सिरसा ने स्थानीय लोगों और लाभार्थियों से बातचीत की, स्वयं भोजन की गुणवत्ता का स्वाद चखा और कैंटीन में बनाए गए स्वच्छता मानकों की सराहना की। स्थानीय लोगों ने सरकार का आभार जताते हुए कहा कि अटल कैंटीन उन्हें सस्ता भोजन ही नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीने का भरोसा भी देती है। इस अवसर पर सिरसा ने कहा कि अटल कैंटीन हमारी पार्टी की अंत्योदय की सोच का सजीव उदाहरण है, जहां समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधा और सम्मान पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। अटल कैंटीन नेटवर्क को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पौष्टिक भोजन मिल सके। यह योजना न सिर्फ गरीब और जरूरतमंदों को राहत देती है, बल्कि स्वयं सहायता समूहों और युवाओं को जोड़कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा कर रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर दिल्ली में शुरू की गयी इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक, स्वादिष्ट और साफ-सुथरा भोजन उपलब्ध कराना है। अटल कैंटीन योजना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। दिल्ली भर में 100 अटल कैंटीन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इन कैंटीनों में रोटी, चावल, दाल और सब्जी जैसा संतुलित भोजन साफ और व्यवस्थित माहौल में परोसा जा रहा है, ताकि कोई भी भूखा न रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### जमानत के बाद फरार चल रहा बदमाश गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** द्वारका साउथ थाने की सेक्टर-10 पुलिस चौकी ने बुधवार को जमानत के बाद फरार चल रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राजेश कुमार के रूप में हुई है। अदालत ने उसे एक मामले में दोषी करार दिया था। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि जांच के दौरान टीम ने मैनुअल और तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपी के बारे में जानकारी इकट्ठा की। जानकारी के विश्लेषण के बाद स्टाफ ने मुखबिरों के साथ मिलकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

### चोरी के दो दोपहिया समेत कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** तिलक नगर थाने की तिलक विहार पुलिस चौकी ने एक कुख्यात बदमाश को चोरी के दो दोपहिया वाहनों के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान 40 वर्षीय प्रिंस उर्फ राहुल उर्फ बिलौटा के रूप में हुई है। इस पर पहले से 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीसीपी डीएस भास्कर ने बताया कि गत 29 दिसंबर को इलाके में गश्त के दौरान आरोपी को चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया।

### अभियान चलाकर 657 बदमाश दबोचे गए

**नई दिल्ली।** पश्चिमी जिला पुलिस ने 48 घंटे में विशेष अभियान चलाकर कुल 657 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन्हें राजौरी गार्डन, तिलक नगर, सुभाष नगर, हरि नगर, जनकपुरी, पंजाबी बाग समेत 23 स्थानों से गिरफ्तार किया गया। साथ ही 1250 लोगों को बाउंड डाउन किया है। इसके अलावा जांच के दौरान पकड़े गए 146 वाहनों को जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामले भी दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान पूरे जिले में 1469 दिल्ली पुलिस के जवानों के अलावा पुलिस की अतिरिक्त दो कंपनी तैनात की गईं। डीसीपी डीएस भास्कर ने बताया कि यह कार्रवाई बुधवार और गुरुवार को भी जारी रहेगी। बताया कि नए साल पर हुड़दंगियों और असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए जिले में कई स्तरों पर सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इसमें मचान मोर्चा, स्पेशल पिकेट, बाइक पेट्रोलिंग, स्कूटी पेट्रोलिंग, ईआरवी की तैनाती, पैदल मार्च, नाकाबंदी, एंटी ड्रंक एंड ड्राइव और ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ विशेष जांच अभियान शामिल हैं।

### नौकरानी ने नकली चाबी की मदद से चुराए थे गहने, गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** द्वारका जिले के एंटी-बर्गलरी सेल ने नकली चाबी से मालिक के घर से सोने और चांदी के गहने चोरी करने वाली नौकरानी को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारती उर्फ किरण के पास से सोने का लॉकेट, चेन, अंगूठी, दो जोड़ी सोने की बालियां, चांदी की पायल, दो जोड़ी चांदी की बिछिया और 3.8 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके पूरे नेटवर्क और वारदात की विस्तृत जांच कर रही है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि 13 दिसंबर को शिकायतकर्ता त्रिजा उर्फ प्रीति ने पुलिस को शिकायत दी थी। उसने बताया कि 7-13 दिसंबर के बीच वह परिवार के साथ शहर से बाहर गई थी और इस दौरान उनके घर से पुश्तैनी गहने चोरी हो गए। जांच में पुलिस ने पाया कि घर में किसी के जबरन घुसने के कोई निशान नहीं थे। सीसीटीवी फुटेज में नकाबपोश महिला घर में प्रवेश करती और 15 मिनट में बाहर निकलती दिखी। फुटेज में महिला ने थोड़ी दूरी पर नकाब हटाया, जिससे उसकी पहचान हुई। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल सर्विलांस पर रखा, लेकिन वह बंद था। बाद में आरोपी ने नया नंबर चालू किया, जिस पर टीम ने उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में भारती ने बताया कि मां की मौत के बाद वह घरों में काम करने लगी थी। 2016 में उसकी शादी अंकित से हुई, जिससे उसकी एक बेटी है। 2018 में पति ने उसे छोड़ दिया। 2025 में शिकायतकर्ता के घर काम करते हुए उसने जल्दी पैसा कमाने के लिए यह चोरी की।

# एंजेस चकमा की मौत को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने जंतर-मंतर पर नॉर्थ-ईस्ट के छात्रों के साथ विरोध प्रदर्शन में बुधवार को हिस्सा लिया और एंजेल चकमा के लिए न्याय की मांग की।

गोगोई ने पत्रकारों से कहा कि दिल्ली में कई छात्र जो विशेष रूप से नॉर्थ-ईस्ट से आते हैं वे एक शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना चाहते हैं। कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। हमने इस मंच से उनके लिए न्याय की गुहार लगाई है। हमारी मांग है कि एंजेल चकमा और उनके परिवार को न्याय मिले। देश में अगर कोई किसी जाति के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे तो उसे कानूनी तरीके से सख्त से सख्त सजा मिलती है। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किया जाए तो उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के नंदानगर निवासी छात्र एंजेल चकमा से 9 दिसंबर को कुछ लोगों ने मारपीट की थी। एंजेल चकमा की अस्पताल में 17 दिनों तक जिंदगी की लड़ाई लड़ने के बाद 27 दिसंबर को अंतिम सांस ली।

# एम्स के पास मरीजों के परिजनों के लिए सुरक्षित आश्रय की सुविधा

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** देश के विभिन्न हिस्सों से इलाज की उम्मीद लेकर दिल्ली आने वाले सैकड़ों मरीज और उनके परिजन आज भी एम्स और सफदरजंग अस्पताल के बाहर फुटपाथों पर रात गुजारने को मजबूर हैं, जबकि अस्पताल के नजदीक ही एम्स और सीआरपीएफ के सहयोग से संचालित सुरक्षित आश्रय स्थल उपलब्ध हैं।

विडंबना यह है कि यह समस्या सुविधाओं की कमी की नहीं, बल्कि जानकारी के अभाव की है। हर दिन विश्व स्तरीय अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती ठहरने की व्यवस्था होती है, क्योंकि आसपास के होटल और धर्मशालाएं आम लोगों की पहुंच से बाहर हैं। मजबूरी में तीमारदार कड़ाके की सर्दी, बारिश और असुरक्षा के बीच खुले आसमान के नीचे रहने को विवश हो जाते हैं।

एम्स से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित एम्स विश्राम सदन और सीआरपीएफ के सहयोग से संचालित आश्रय स्थल लंबे इलाज के लिए आए मरीजों और उनके परिजनों के लिए बड़ी राहत हैं। यहां सुरक्षित कमरे, बिस्तर, स्वच्छ वातावरण और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कैंसर पीड़ित बेटी के इलाज के लिए आई सेहनाज बताती हैं कि यहां रहने से उन्हें मानसिक सुकून मिला है और अब उनका पूरा ध्यान इलाज पर केंद्रित है। वहीं उत्तर प्रदेश और बिहार से आए कई तीमारदारों का कहना है कि उन्हें इन सुविधाओं की जानकारी पहले नहीं थी, जानकारी मिलने के बाद उन्हें बड़ी राहत मिली।

एम्स दिल्ली की मीडिया सेल प्रभारी प्रो. रीमा दादा के अनुसार, समस्या व्यवस्थाओं की नहीं बल्कि जागरूकता की है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर की सिफारिश पर लंबे इलाज वाले मरीज और उनके परिजन एम्स विश्राम सदन तथा सीआरपीएफ समर्थित आश्रयों में ठहर सकते हैं। कुल मिलाकर, एम्स और सीआरपीएफ द्वारा संचालित यह आश्रय व्यवस्था मानवता की मिसाल है, जरूरत केवल इतनी है कि इसकी जानकारी हर जरूरतमंद मरीज और उसके परिजन तक पहुंचे, ताकि किसी को भी मजबूरी में फुटपाथ पर रात न बितानी पड़े।

# नगर निगम के 291 कर्मचारी हुए सेवानिवृत

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली नगर निगम के 291 कर्मचारी आज सेवानिवृत हुए। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, पी पी ओ शीट, लीव एनकैशमेंट के चेक दिये गए। सभी जोन में भी सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत कर्मचारियों को

दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की गई।

सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ-साथ सुखमय जीवन की कामना करते हुए पौधे भी भेंट किये। इस अवसर पर निगम के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहें।

# चंदर नगर में मकान में लगी भीषण आग, दो लोग अस्पताल में भर्ती

**नई दिल्ली।** पूर्वी दिल्ली के जगतपुरी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित चंदर नगर में एक दो मंजिला मकान में अचानक आग लग गई। इस घटना में घर में मौजूद दो लोग घने धुएं की चपेट में आने से बेहोश हो गए। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है, लेकिन माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट या गैस लीकेज जैसी वजह हो सकती है। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस दौरान आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

# नकली ब्रांडेड घरेलू सामान बनाने-बेचने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ईस्टर्न रेंज-1 टिम ने दिल्ली-एनसीआर में नकली ब्रांडेड घरेलू और खाद्य उत्पादों के निर्माण, भंडारण और बिक्री के एक बड़े संगठित रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

इस रैकेट में अमूल, पतंजलि, मधुसूदन जैसी कंपनियों का नकली घी, एनो, ऑल आउट, वीट और टाटा सॉल्ट जैसे उत्पाद शामिल थे, जो जनता के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीतिन कुमार (38 वर्ष), राजत सिंघल उर्फ चिंटू (38 वर्ष), सुरेंद्र गुज्जर (45 वर्ष), उत्तम नगर और मुजाहिद उर्फ कार्तिक (38 वर्ष), मंगोलपुरी के तौर पर हुई है।पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) विक्रम सिंह ने बताया कि मिली जानकारी के अनुसार एसपी और इंस्पेक्टर लक्ष्मण की देखरेख में क्राइम ब्रांच की टिम ने उत्तम नगर के जी-ब्लॉक, दल मिल रोड पर एक टेम्पो से नकली सामान की बड़ी खेप लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके पर पहुंची टीम ने वाहन की तलाशी ली, जिसमें बड़ी मात्रा में नकली घी (1131 लीटर), एनो के 8640 पाउच, ऑल आउट के 1200 पीस, वीट के 1152 पीस और टाटा सॉल्ट के 3000 किलोग्राम बरामद हुए। आरोपी नीतिन कुमार की निशानदेही पर कांझावाला इंडस्ट्रियल एरिया में छापेमारी की गई, जहां नकली घी बनाने की अवैध फैक्ट्री मिली।

यहां से पैकेजिंग मशीनें, नकली रैपर और अन्य सामग्री जब्त की गई। इसके अलावा निहाल विहार में एक गोदाम से करीब 2000 किलोग्राम नकली टाटा सॉल्ट बरामद हुआ, जहां नमक की री-पैकिंग और फर्जी लेबल लगाने की मशीनें भी मिलीं।टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि ने जब्त नमक और पैकेजिंग को पूरी तरह नकली बताया। अन्य ब्रांड्स के प्रतिनिधियों ने भी सामान को फर्जी करार दिया। आरोपी प्रतिष्ठित ब्रांड्स के खाली डिब्बे, फर्जी रैपर और पैकेजिंग सामग्री खरीदते थे। कांझावाला में अवैध फैक्ट्री में मिलावटी कच्चे माल से नकली घी बनाया जाता था। नकली उत्पादों को गोदामों में स्टोर कर टेम्पो और डिलीवरी एजेंट्स के जरिए बाजार में सप्लाई की जाती थी। ये सस्ते दामों पर असली सामान बताकर बेचे जाते थे, जिससे उन्हें 50 प्रतिशत से ज्यादा मुनाफा होता था।आरोपी नीतिन कुमार पिछले 10-12 साल से घरेलू सामान की होलसेल सप्लाई करता है। उसके खिलाफ पहले भी हरियाणा और दिल्ली में नकली सामान के मामले दर्ज हैं। आरोपी राजत सिंघल और सुरेंद्र गुज्जर 15-20 साल से होलसेल-रिटेल का काम करते हैं।

## सेवानिवृत्ति पर सम्मान की नई मिसाल

# दिल्ली पुलिस के 137 कर्मियों को मानद रैंक

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस के इतिहास में पहली बार सेवानिवृत्त हो रहे पुलिसकर्मियों के सम्मान में एक अनूठा और गरिमामय आयोजन किया गया।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श ऑडिटोरियम में बुधवार को आयोजित पद अलंकरण समारोह में 137 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के दिन अगली उच्चतर मानद रैंक प्रदान की गई। समारोह की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त दिल्ली सतीश गोलछा ने की। उन्होंने कांस्टेबल से लेकर उप-निरीक्षक रैंक तक के सेवानिवृत्त हो रहे पुलिसकर्मियों को स्वयं उनके कंधों पर बैज लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि यह पहल वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से सेवा देने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान और मनोबल बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार यह योजना उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की स्वीकृति के बाद लागू की गई है। हाल ही में पुलिस

मुख्यालय में आयोजित डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन-2025 की अनुवर्ती कार्यशाला के दौरान इस मानद पदोन्नति स्कीम की औपचारिक घोषणा की गई थी। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पुलिस आयुक्त रॉबिन हिबू के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने समारोह की रूपरेखा बताते हुए इसे दिल्ली पुलिस के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। अपने संबोधन में पुलिस आयुक्त ने गृह मंत्रालय और उपराज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीमित पदोन्नति अवसरों के बावजूद पुलिसकर्मियों के योगदान को सम्मान देने का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे सभी 137 पुलिसकर्मियों द्वारा समाज और विभाग के लिए दी गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें स्वस्थ, सुखद और सम्मानजनक सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं।

## संपादकीय

# कैलेंडर से बाहर की तस्वीर

आज से एक नए साल की शुरूआत हो रही है। पिछली रात के साथ 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा गुजर गया है। हर नए साल की शुरूआत के साथ हम बीते साल के मुकाबले कुछ बेहतर की उम्मीद करते हैं। अतीत पर दृष्टि डालें तो अपने पीछे हमें कुछ स्याह तो कुछ बेहतर भविष्य के मंजर नज़र आते हैं। भारत की दृष्टि से देखें तो बीता साल कई मायनों में उल्लेखनीय रहा। बीता साल भारत के लिए आर्थिक रूप से ते रफ्तार वाला रहा। जहां अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी और भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन कर उभरा।भारत के लिए वर्ष 2025 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसे संक्रमणकाल का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने देश की विकास यात्रा को नई दिशा, नई भाषा और नया आत्मविश्वास दिया। यह वह वर्ष रहा, जब भारत ने न केवल अपनी आंतरिक क्षमताओं को सुदृढ़ किया बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक परिपक्व, स्थिर और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को और सुदृढ़ किया। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल, लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब केवल संभावनाओं का राष्ट्र नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल सहित लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति बताती है कि रह देश केवल संभावनाओं का नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। वैश्विक परिदृश्य 2025 में किसी भी दृष्टि से आसान नहीं था। दुनिया आर्थिक मंदी की आशंकाओं, ऊर्जा संक्रमण के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और तीव्र होती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही थी। ऐसे समय में भारत का स्थिर, संतुलित और आत्मविश्वासी प्रदर्शन इस बात का संकेत बना कि देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी। आने वाले वर्षों में इस गति को बनाए रखना, समावेशिता और उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ना ही भारत की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी संभावना दोनों होगी।

# नववर्ष जीवन को मंगलमय बनाने के लिए संकल्प लेने का दिन

*नववर्ष वर्ष का आरम्भ भारत में चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता था, और आज भी यह परम्परा अनवरत व अबाध रूप से जारी है, जिसे आज भी बहुसंख्यक हिन्दू परिवार मानते हैं। भारत से ही सात दिनों का सप्ताह, इनके नाम, लगभग 30 दिन का महीना, वर्ष में बारह महीने व उनके नाम आदि कुछ उच्चारण भेद सहित देश -देशान्तर में प्रचलित हो गये थे। उन्हीं प्रचलित गणनाओं के आधार पर वर्तमान में प्रचलित आंग्ल वर्ष व काल गणना को बनाया गया है। भारतीय दिन के नाम सोमवार को आंग्ल कैलेंडर में मूनडे अर्थात चन्द्र-सोम वार व रविवार को सनडे अर्थात सूर्य वार बना दिया गया। यह मात्र हिन्दी शब्दों का एक प्रकार से अंग्रेजी रूपान्तर मात्र ही है। इसी प्रकार उन्होंने अन्य दिन व महीने का नाम तय कर उन्हें प्रचलन में लाया। अंग्रेजी संवत्सर से सृष्टि काल का ज्ञान नहीं होना, इसकी कमी का सबसे बड़ा परिचायक है, इसकी अवैज्ञानिकता का द्योतक है, जबकि भारत का सृष्टि संवत सृष्टि के आरम्भ से आज तक सुरक्षित चला आ रहा है। विज्ञान के आधार पर भी सृष्टि की आयु 1, 96 अरब वर्ष लगभग सही सिद्ध होती है। इसलिए यूरोप सहित सम्पूर्ण विश्व को वैदिक सृष्टि सम्वत को ही अपनाना चाहिए था।*

-अशोक "प्रवृद्ध"-

वर्तमान में हमारे देश में आंग्ल संवत्सर एवं वर्ष का प्रचलन है। इस आंग्ल अर्थात अंग्रेजी वर्ष का आरम्भ 2026 वर्ष पूर्व ईसा मसीह के जन्म वर्ष व उसके एक वर्ष बाद हुआ था। लेकिन यह भी परम सत्य है कि आंग्ल काल गणना दिन, महीने व वर्ष की गणना के आरम्भ होने से बहुत पूर्व अत्यंत प्राचीन काल से ही यह संसार चला आ रहा था, और धर्म, सभ्यता- संस्कृति, भाषा, ज्ञान की दृष्टि से सम्पूर्ण संसार में सर्वाधिक उन्नत हमारे भारत जैसे देश में कालगणना की पूर्णतः वैज्ञानिक भारतीय परम्परा प्रचलित थी। उस समय हमारे देश के ऋषि- मुनि व विद्वान वेद और वैदिक धर्म, भारतीय सभ्यता- संस्कृति, भाषा, ज्ञान आदि का विदेशों में जाकर प्रचार किया करते थे। लेकिन द्वापर युग के अन्तकाल में हुए महाभारत युद्ध के कारण संसार के अन्य देशों में वेदों के प्रचार- प्रसार का कार्य बन्द हो जाने और स्वयं भारत में भी वेद के अध्ययन-अध्यापन का संगठित समुचित प्रबन्ध न होने के कारण भारत व अन्य देशों में विद्या व ज्ञान की दृष्टि से अन्धकार छा गया और लोग ईश्वर प्रदत्त सत्य ज्ञान वेद की शिक्षा से वंचित हो गये। इस अविद्यान्धकार के कारण भारत में बौद्ध व जैन मतों के आविर्भाव के साथ ही विश्व के अन्य देशों में पारसी, यहूदी, ईसाई व मुस्लिम मतों का आविर्भाव हुआ। और उन्होंने भी अपनी कालगणना पद्धति अपने नाम से चलाई।

प्रथम अर्थात एक जनवरी सन 0001 का आरम्भ वर्ष ईसा मसीह के अनुयायियों द्वारा प्रचलित ईसा संवत है। इससे पूर्व वहां कोई संवत प्रचलित ही नहीं था, और वे संवत्सर के नाम से भी परिचित नहीं थे। सम्भवतः उनके यहाँ यह संवत काल गणना किसी अन्य प्रकार से की जाती रही होगी। उसी से ही उन्होंने आंग्ल कालगणना आरम्भ किये जाते समय सप्ताह के सात दिनों के नाम, महीनों के नाम आदि तय कर उन्हें प्रचलित किया। अंग्रेजी संवत अस्तित्व में आने से पूर्व भारत में संवत्सर की गणना लगभग 1, 960853 अरब वर्षों से होती आ रही थी, जो बहुसंख्यक हिन्दुओं द्वारा किसी व्रत, अनुष्ठान आदि किये जाते समय पुरोहित द्वारा कराये जाने वाले संकल्प मन्त्र से ज्ञात होता है। प्राचीन काल से ही भारत में सप्ताह के सात दिन, बारह महीने, कृष्ण व शुक्ल पक्ष, अमावस्या व पूर्णिमा आदि का प्रचलन था। नववर्ष वर्ष का आरम्भ भारत में चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता था, और आज भी यह परम्परा अनवरत व अबाध रूप से जारी है, जिसे आज भी बहुसंख्यक हिन्दू परिवार मानते हैं। भारत से ही सात दिनों का सप्ताह, इनके नाम, लगभग 30 दिन का महीना, वर्ष में बारह महीने व उनके नाम आदि कुछ उच्चारण भेद सहित देश - देशान्तर में प्रचलित हो गये थे। उन्हीं प्रचलित गणनाओं के आधार पर वर्तमान में प्रचलित आंग्ल वर्ष व काल गणना को बनाया गया है। भारतीय दिन के नाम सोमवार को आंग्ल कैलेंडर में मूनडे अर्थात चन्द्र-सोम वार व रविवार को सनडे अर्थात सूर्य वार बना दिया गया। यह मात्र हिन्दी शब्दों का एक प्रकार से अंग्रेजी रूपान्तर मात्र ही है। इसी प्रकार उन्होंने अन्य दिन व महीने का नाम तय कर उन्हें प्रचलन में लाया। अंग्रेजी संवत्सर से सृष्टि काल का ज्ञान नहीं होना, इसकी कमी का सबसे बड़ा परिचायक है, इसकी अवैज्ञानिकता का द्योतक है, जबकि भारत का सृष्टि संवत सृष्टि के आरम्भ से आज तक सुरक्षित चला आ रहा है। विज्ञान के आधार पर भी सृष्टि की आयु 1, 96 अरब वर्ष लगभग सही सिद्ध होती है। इसलिए यूरोप सहित सम्पूर्ण विश्व को वैदिक सृष्टि सम्वत को ही अपनाना चाहिए था। लेकिन उन्होंने पक्षपात व कुण्ठा के कारण भारतीय काल गणना पद्धति को नहीं अपनाया। उनमें अपने मत ईसाई मत का प्रचार एवं लोगों का धर्मान्तरण करने की मंशा, इच्छा व भावना थी, इसलिए उन्होंने भारतीय ज्ञान व विज्ञान की जान- बूझकर उपेक्षा की और इसके साथ ही अपने मिथ्या विश्वासों को दूसरों पर थोपने का प्रयास भी किया।

उल्लेखनीय है कि भारतीय नववर्ष चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से आरम्भ होता है। यह दिवस नव वर्ष के लिए सर्वथा उपयुक्त व सर्वस्वीकार्य है। इस समय शीत का प्रभाव समाप्त हो गया होता है। ग्रीष्म ऋतु तत्पश्चात वर्षा ऋतु का आरम्भ इसके कुछ समय बाद होता है। इस भारतीय नववर्ष के अवसर पर पतझड़ व शीत ऋतु समाप्त होकर ऋतु अत्यन्त सुहावनी हो जाती है। वृक्ष नवीन कोपलों को धारण किये नये पत्तों के स्वागत में हरे-भरे होते हैं, और सभी प्रकार के फूल व फल वृक्षों में लगे होते है। सर्वत्र फूलों की सुगन्ध से वातावरण सुगन्धित होती है। यह प्राकृतिक सौन्दर्य अत्यंत सुहावना व मौसम लुभावना होता है। अनेक विशेषताओं से युक्त चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का यह समय ही नववर्ष के उपयुक्त होता है। लेकिन विदेशी विद्वानों के पक्षपातपूर्ण रवैये के कारण भारत के अनेक सत्य मान्यतओं को मान्यता नहीं मिल पाई, और उनको अपनाया नहीं गया। वर्तमान में सर्वत्र पूर्वाग्रह, पक्षपात और रूढ़िवादिता के बादल छाये हुए हैं। ऐसे में किसी पुरानी कम महत्व की परम्परा को त्यागकर उसमें सुधार व परिवर्तन कर उसे विश्व स्तर पर मान्यता दिला आरम्भ करना कठिन व असम्भव ही है।

ईसा मसीह ईस्वी सन 0001 में पैदा हुए। उनके नाम से ही ईसा सम्वत आरम्भ हुआ। उनसे सम्बन्धित वर्णनों से यह स्पष्ट होता है कि 27 से 33 वर्ष के उनके अनुमानित जीवन काल में उनके द्वारा दिए गये धार्मिक विचारों से उनके देश व निकटवर्ती स्थानों पर कई सामाजिक परिवर्तन एवं सुधार हुए। इन सुधारों से ही उन्नति करते हुए वे आज की स्थिति में पहुंचे हैं। उनके अनुयायियों ने धर्म के अतिरिक्त उनके अन्य जिन मान्यताओं को तर्क व युक्ति के आधार पर स्वीकार किया, वही उनकी प्रगति का माध्यम, आधार बना। उनकी उन्नति के प्रभाव ने ही उनके काल सम्वत को विश्व स्तर पर स्वीकार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत में भी सम्प्रति यह ईसा संवत ही प्रचलित हो गया है। यत्र-तत्र कुछ प्राचीन वैदिक व सनातन धर्म के विचारों के लोग सृष्टि संवत व विक्रमी संवत का प्रयोग भी करते हैं, जो जारी रहना चाहिए, जिससे भावी वाली पीढ़ियां उसे जानकर उससे लाभ ले सकें। नव आंग्ल वर्ष के दिन सभी मनुष्य एक दूसरे को नववर्ष की शुभकामनायें देते हैं और कहते हैं-'सुखी बसे संसार सब, दुखिया रहे न कोय, यह अभिलाषा हम सबकी भगवन पूरी होय। 'इस बधाई देने में कोई बुराई नहीं है, और सम्पूर्ण वर्ष ही शुभकामनायें देते रहनी चाहिए। सबके सुख, शांति की कामना करनी ही चाहिए। इसीलिए तो भारतीय संस्कृति में सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः,सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत।। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत। । ' की कामना की गई है।

उल्लेखनीय है कि इस जिन्दगी की भागमभाग में यह नश्वर जीवन क्षणाक्षण बीतता ही जा रहा है। इस जीवन में अनेक वसंत आये और कामदेव के तीर दिल पर बींधकर चले गए। न जाने कितने सावन आये और झमाझम बरस कर गुजर गए। जीवन की गाड़ी अत्यंत तीव्र गति से अपना मार्ग तय किये जा रही है। लेकिन इस संसार के अधिकांश लोगों को अपने जीवन के गन्तव्य का अभी तक भान नहीं है, पता नहीं है। अस्त- व्यस्त होकर जीवन गुजारने वाले, जीने वाले ऐसे ही लोगों के कारण इस संसार में अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है, आपसी सिर फुटौवल की स्थिति बनी हुई है। जिन्हें अपने जीवन के गन्तव्य का ध्यान नहीं, अपनी स्थिति का ज्ञान नहीं, वे ही असली अपराधी हैं, और इस संसार को दुखमय बनाने में सहयोग कर रहे हैं। इस जीवन की परिभाषा को सत्य स्वरूप में समझने के लिए और जीवन को सही रूप में जीने के लिए हमारे पास अनंत ज्ञान को प्राप्त करने की अनंत संभावनाएं हैं, लेकिन हमारा उस ओर ध्यान नहीं है। विद्वानों का कहना है कि इस संसार में अनंत शास्त्रों में जानने योग्य बहुत सा ज्ञान संचित है, परन्तु समय थोड़ा है और विघ्न अधिक हैं, इसलिए उस सारभूत ज्ञान को संचित करने में शक्ति लगाना चाहिए, जिससे जीवन का कल्याण हो सके। इसलिए ठीक उसी प्रकार सावधानी से ज्ञानार्जन करना चाहिए, जिस प्रकार एक हंस दूध और पानी को अलग करने में तत्परता दिखलाता है। क्योंकि इस संसार में मनुष्य की आयु सौ वर्ष भी मान लिया जाय, तो उसमें से कमाधिक एक तिहाई जीवन सोने में, पच्चीस वर्ष बाल्यपन व अध्ययन में व्यतीत हो जाते हैं। इसके बाद मधुर दाम्पत्य जीवन और गृहस्थ की द्वंद्वों तथा दुरिताओं से भरी हुई जिन्दगी की शुरूआत होती है।

# उच्च शिक्षा आयोग से उम्मीद

-डा. वरिंदर भाटिया-

देश की उच्च शिक्षा में प्रशासनिक सुधार के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने उच्च शिक्षा के नियमन में एकीकरण लाने का निर्णय लिया है। इसके तहत यूजीसी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का विलय कर विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बनाया जाएगा। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान में बदलने के लिए योजना बनाना है। कहा जा रहा है कि अलग-अलग नियामक संस्थाओं के होने से नियमों में दोहराव, देरी और भ्रम की स्थिति बनी रहती थी। नए आयोग के गठन से यह समस्या खत्म होगी। अब विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थान और शिक्षक शिक्षा संस्थान एक ही ढांचे के तहत संचालित होंगे। इससे फैसले तेजी से होंगे, पारदर्शिता बढ़ेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। नए नियम केंद्रीय, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों पर समान रूप से लागू होंगे। इसमें ओपन यूनिवर्सिटी, डिजिटल और ऑनलाइन शिक्षा संस्थान भी शामिल होंगे। पहले सामान्य विश्वविद्यालयों का नियमन यूजीसी करता था, तकनीकी संस्थानों के लिए एआईसीटीई जिम्मेदार था और शिक्षक शिक्षा संस्थानों के लिए एनसीटीई। अब यह पूरा काम एक ही संस्था करेगी, जिससे शिक्षा व्यवस्था सरल, स्पष्ट और प्रभावी बनेगी। उच्च शिक्षा आयोग यानी विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बन जाने के बाद देश के टीचिंग संस्थानों में सुधारों की प्रक्रिया में तेजी आएगी। नया उच्च शिक्षा आयोग बनने के बाद हर टीचिंग संस्थान के स्तर की जांच के लिए एक प्रक्रिया होगी।

वहीं हर कार्यक्रम व कोर्स में पढ़ाई का एक मिनिमम स्टैंडर्ड तय होगा। थर्ड पार्टी ऑडिट शुरू होने के साथ-साथ नियमों के खिलाफ जाकर काम करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई भी की जा सकेगी। वहीं छात्रों को टीचिंग संस्थानों में ही नए कोर्सेज का विकल्प भी मिलेगा। उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने की दिशा में यह प्रयास कारगर साबित हो सकता है। उच्च शिक्षा आयोग बनने पर टीचिंग संस्थानों में अब टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के साथ-साथ बीए, बीकॉम, बीएससी समेत स्किल एजुकेशन के दूसरे कोर्सेज भी शुरू किए जा सकेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुताबिक 2030 तक सभी टीचिंग संस्थानों को बहुविषयक संस्थान बनना ही होगा, जिसके लिए यूजीसी और एनसीटीई ने गाइडलाइंस जारी की हैं। नए बिल के बाद संस्थानों में नए कोर्सेज शुरू करने आसान हो जाएगा। नए कोर्सेज के लिए मंजूरी के लिए अलग-अलग जगह आवेदन नहीं करना होगा। एक ही जगह आवेदन करने का सिस्टम लागू हो जाएगा। अभी एनसीटीई संस्थानों को मान्यता देता है, एकेडमिक स्टैंडर्ड को देखता है। इसके अलावा भी रेगुलेशंस से जुड़े कई तरह के काम होते हैं, लेकिन नए आयोग बनने के बाद एनईपी 2020 के अनुरूप टीचिंग के लिए जो प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सेटिंग बॉडी यानी पीएसबीबी होगी, उसका काम कोर्स तैयार करना, टीचिंग के नियमों और एलिजिबिलिटी तय करना और एकेडमिक स्टैंडर्ड को देखना होगा। इससे टीचिंग की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जा सकेगा। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल के तहत कुछ विदेशी विश्वविद्यालय भारत में कैंपस खोल सकेंगे, जिनके लिए सरकार कुछ शर्तें रखेगी। इन्हें सरकारी नियमों का पालन करना जरूरी होगा। साथ ही जो विदेशी विश्वविद्यालय पहले से ही भारत में खुले हैं, उनके लिए भी नए नियम ही लागू होंगे। साथ ही बेहतर प्रदर्शन करने वाले भारतीय विश्वविद्यालयों को भी विदेश में कैंपस खोलने की अनुमति मिल सकेगी। विकसित भारत शिक्षा बिल कानून बना तो कॉलेज और यूनिवर्सिटी में एक जैसे नियम और काम करने का तरीका लागू हो जाएगा। नए कॉलेज खोले जाएंगे और नए कोर्स शुरू होंगे। नया सिलेबस बनाकर लागू किया जाएगा। नौकरियां पाने और स्किल्स इम्प्रूव करने वाले कोर्स की संख्या बढ़ेगी। एजुकेशन सिस्टम स्टूडेंट आधारित बनेगा। छोटे और नए कॉलेजों को समान अवसर मिलेंगे। छात्रों के लिए एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र बनाया जाएगा। यह एक अच्छा कदम ही है। इस प्रस्तावित सुधार के आलोचकों का मत है कि इससे देश के हायर एजुकेशन सिस्टम पर केंद्र सरकार का कंट्रोल हो जाएगा। कॉलेज और यूनिवर्सिटी की आजादी पर असर पड़ेगा। हायर एजुकेशन जॉब एंड स्किल बेस्ड हो जाएगी। नॉलेज और रिसर्च पर फोकस कम हो सकता है।

**इन बातों में तार्किकता कमजोर है :** वर्तमान उच्च शिक्षा व्यवस्था पर इस बिल का प्रभाव कैसा होगा, इसके बारे अभी कुछ सटीक नहीं कहा जा सकता है। कुछ शिक्षाविद कहते हैं कि देश की स्वतंत्रता के बाद यह आम सहमति बनी थी कि उच्च शिक्षा एक सार्वजनिक हित का क्षेत्र है, और इसी समझ के तहत यूजीसी प्रणाली का उदय हुआ। यह भी सच है कि यूजीसी में नौकरशाही जटिलताएं तथा और भी कई तरह की अक्षमताएं रही हैं, फिर भी उसकी एक वैधानिक जिम्मेदारी थी, वह केवल नियामक संस्था नहीं थी, बल्कि उच्च शिक्षण संस्थानों को अनुदान देने की बाध्यकारी भूमिका भी निभाती थी। यूजीसी एक संघीय ढांचे के भीतर काम करती थी, जिसमें राज्य विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित थी, और वह विश्वविद्यालयों तथा प्रत्यक्ष कार्यकारी हस्तक्षेप के बीच एक सुरक्षात्मक दीवार के रूप में कार्य करती थी। इसके विपरीत, प्रस्तावित बिल उच्च शिक्षा में एक ऐसा नियामक राज्य स्थापित करता है, जिसकी कोई सार्वजनिक जवाबदेही नहीं है। इसके अलावा, कुछ शिक्षाविद कह रहे हैं कि यह सरकार द्वारा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के निजीकरण के लिए उठाए जाने वाला कदम है। किसी भी क्षेत्र में नियामक संस्था को लाने का मतलब ही है कि उसे निजी क्षेत्र में ले जाया जा रहा है। दूसरी बात ये आयोग विश्वविद्यालयों को अनुदान नहीं देगा। विश्वविद्यालयों को कर्ज और विद्यार्थियों की फीस पर निर्भर कर दिया जाएगा। इससे गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए उच्च शिक्षा और अधिक महंगी हो जाएगी जो कि सामाजिक न्याय और समानता पर एक गहरा आघात है। इस संशय को दूर करना जरूरी होगा। फिर भी एक बड़ी उम्मीद है कि नया उच्च शिक्षा आयोग भारत को शिक्षा के एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए भी काम करेगा, साथ ही यह भारतीय ज्ञान, भाषाओं और कलाओं को बढ़ावा देने के लिए भी काम करेगा जो कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को विकसित करने के लिए जरूरी भी है। अब देश के उच्च शिक्षण संस्थानों को मौजूदा अलग-अलग नियामक संस्थाओं के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी एवं ये शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में तत्पर हो सकेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में नई उम्मीदें जगी हैं।

# प्रसन्नता लाता है ध्यान

योग की ही अवस्था है ध्यान, जो हमें बहुत से लाभ देता है। पहला लाभ, शांति और प्रसन्नता लाता है। दूसरा, यह सर्वस्व प्रेम का भाव लाता है। तीसरा, सृजनशक्ति और अंतरदृष्टि जगाता है। बच्चे हर किसी को आकर्षित करते हैं, क्योंकि उनमें एक विशेष शुद्धता होती है, उत्साह होता है। बड़े होकर हम उस ऊर्जा से, उस उत्साह से अलग हो जाते हैं, जिसके साथ हम जन्मे थे। कई बार हमें बिना कारण कुछ लोगों के प्रति घृणा होती है, तो कई बार बिना किसी स्पष्ट कारण के हम कुछ लोगों की ओर आकर्षित होते हैं? यह इसलिए होता है, क्योंकि जब हमारा मन स्वच्छंद और शुद्ध होता है तो हमारे भीतर से सकारात्मक ऊर्जा निकलती है, वहीं इनके अभाव में नकारात्मक ऊर्जा निकलती है। हमें यह सीखना है कि कैसे नकारात्मकता, क्रोध, ईर्ष्या, लोभ, कुंठा, उदासीनता आदि को दूर कर अपनी ऊर्जा को सकारात्मकता में बदलें। योग में सांस लेने की प्रक्रिया से इसमें सहायता मिलती है। सांस की प्रक्रियाओं और ध्यान से हम नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक ऊर्जा बना सकते हैं। जब हम सकारात्मक और प्रसन्न होते हैं तो अपने आसपास भी प्रसन्नता फैलाते हैं। जब हम अधिक सृजनात्मक, अंतरज्ञानी होना चाहते हैं, तब जीवन को व्यापक दृष्टिकोण से देखने के लिए थोड़ा अधिक प्रयत्न आवश्यक है। इसके लिए ध्यान का समय बढ़ाना होगा।




## आज का इतिहास

1600 - स्कॉटलैंड में 25 मार्च के बजाय एक जनवरी से नये साल की शुरुआत हुई।
1651 - चार्ल्स द्वितीय स्टुआर्ट स्कॉटलैंड के राजा बने।
1700 - पश्चिमी यूरोप और इंग्लैंड को छोड़कर ग्रेगोरियन कैलेंडर का उपयोग शुरू किया गया।
1707 - जॉन वी को पुर्तगाल का राजा और लिस्बन में अल्गार्वे का ताज पहनाया गया।
1739 - जे बी सी बौवेत डी लॉज़िएर ने अंटार्कटिका के पास बवेवत द्वीप का पता लगाया।
1739 - दक्षिण अटलांटिक महासागर में बुवेट द्वीप, दुनिया का सबसे दूरस्थ द्वीप, फ्रांसीसी खोजकर्ता जीन-बैप्टिस्ट चार्ल्स बाउवेट डी लोजियर द्वारा खोजा गया था।
1772 - लंदन में पहले यात्री चेकेस की बिक्री शुरू हुई, इसका इस्तेमाल 90 यूरोपीय शहरों में किया जा सकता था।
1773 - आधुनिक श्रोताओं से परिचित संगीत के बिना, ओल्नी, इंग्लैंड में प्रार्थना सभा में पहली बार 'अमेजिंग ग्रेस' का इस्तेमाल किया गया था।
1776 - जनरल जॉर्ज वाशिंगटन ने महाद्वीपीय संघ ध्वज फहराया।
1785 - डेली यूनिवर्सल रजिस्टर (टाइम्स ऑफ लंदन) का पहला अंक प्रकाशित हुआ।
1785 - द टाइम्स, उस नाम का पहला समाचार पत्र, द डेली यूनिवर्सल रजिस्टर के रूप में लंदन में प्रकाशित होने लगा था।
1785 - द डेली यूनिवर्सल रजिस्टर का पहला अंक, जिसे बाद में द टाइम्स के नाम से जाना जाता है, लंदन में प्रकाशित हुआ।
1800 - क्वैसी-वार-एन अमेरिकन काफिले के चार व्यापारी जहाजों को एक स्कूनर द्वारा बचाया गया था, जो कि हाईटियन द्वारा संचालित सशस्त्र बजरों के एक स्क्वाड्रन द्वारा हमला किया गया था।
1801 - आयरलैंड का साम्राज्य औपचारिक रूप से ग्रेट ब्रिटेन के राज्य में विलय हो गया, सेंट पैट्रिक के नमक को संघ ध्वज में जोड़ा गया था।

# बढ़ते कामकाजी जीवन के दबाव में बिखरते परिवार

-ललित गर्ग-

भाग-दौड़, प्रतिस्पर्धा और आकांक्षाओं से भरे आधुनिक जीवन में परिवार के लिए समय निकालना आज केवल एक भावनात्मक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक अस्तित्व का प्रश्न बनता जा रहा है। वर्ष 2025 की विदाई और 2026 की अगवानी की इस संधि बेला में खड़े होकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो साफ दिखाई देता है कि विकास, तकनीक और कैरियर की दौड़ ने हमें सुविधा तो दी, लेकिन संबंधों की ऊष्मा धीरे-धीरे छीन ली। परिवार, जो सदियों से मनुष्य का सबसे सुरक्षित आश्रय रहा है, आज स्वयं असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि आधुनिकता गलत है, प्रश्न यह है कि क्या आधुनिक जीवन शैली में परिवार व्यवस्था को बचाने की हमारी इच्छाशक्ति और समझ उतनी ही मजबूत है या नहीं?

व्यस्ततम, घटनाबहुल एवं कामकाजी जिंदगी जीने के साथ परिवार के लिए वक्त निकालना आज के इंसान के लिए ज्यादा जरूरी हो गया है। परिवार से यह जुड़ाव व्यक्ति को न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से भी खुशनुमा रहने की ताकत देता है। इस सोच के बीच ताजा अध्ययन में आया यह तथ्य सचमुच चौंकाने वाला और चिंताजनक है कि काम के बोझ व परिवार को समय नहीं दे पाने से उपजी परिस्थितियों से निजात पाने के लिए साठ फीसदी से ज्यादा लोग अपनी मौजूदा नौकरी को बदलना चाहते हैं। ग्रेट प्लेस टू वर्क का यह अध्ययन भारत के कामकाजी लोगों के लिए और भी गंभीर है क्योंकि वर्क-लाइफ बैलेंस की ग्लोबल रैंकिंग में हम 42 वें स्थान पर हैं।

आज कामकाजी जीवन का दबाव इतना बढ़ चुका है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से घर में मौजूद होते हुए भी मानसिक रूप से दफ्तर में ही रहता है। डिजिटल कनेक्टिविटी ने समय और स्थान की सीमाएं मिटा दी हैं, लेकिन इसी के साथ उसने घर और कार्यस्थल के बीच की स्वाभाविक दीवार भी तोड़ दी है। मोबाइल फोन, लैपटॉप और ऑनलाइन मीटिंग्स ने परिवार के साथ बैठकर बातचीत करने, एक-दूसरे की बात सुनने और महसूस करने के अवसरों को सीमित कर दिया है। विडंबना यह है कि हम परिवार के लिए मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उसी मेहनत की कीमत परिवार से दूरी बनाकर चुका रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को शुरू में वरदान माना गया था, लेकिन धीरे-धीरे यह भी पारिवारिक जीवन के लिए एक नई चुनौती बन गई। घर अब विश्राम और संवाद का स्थान न रहकर कार्यालय का विस्तार बन गया है। बच्चों के सामने माता-पिता लगातार स्क्रीन में उलझे रहते हैं, पति-पत्नी के बीच संवाद की जगह नोटिफिकेशन ले लेते हैं और बुजुर्गों की बातें अक्सर 'बाद में' की श्रेणी में डाल दी जाती हैं। ऐसे में परिवार एक साथ रहते हुए भी भीतर से बिखरता चला जाता है। यह बिखराव केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि संस्कारों, परंपराओं और आपसी जिम्मेदारियों का भी है। कॉर्पोरेट कार्यशैली में बढ़ते लक्ष्य, बढ़ता प्रतिस्पर्धात्मक दबाव और बॉस संस्कृति ने व्यक्ति को लगातार यह एहसास कराया है कि यदि वह रुका तो पीछे रह जाएगा। इस डर ने जीवन की गति को इतना तेज कर दिया है कि ठहराव, आत्मचिंतन और संबंधों के लिए समय निकालना कमजोरी समझा जाने लगा है। जबकि सच यह है कि मजबूत परिवार ही व्यक्ति को मानसिक स्थिरता, आत्मविश्वास और जीवन की कठिनाइयों से जूझने की ताकत देता है। जब यह आधार कमजोर होता है, तो व्यक्ति बाहर से सफल दिखते हुए भी भीतर से टूटने लगता है।

सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा किया है। एक ही छत के नीचे रहते हुए भी परिवार के सदस्य अलग-अलग आभासी दुनिया में जी रहे हैं। दिखावे की खुशी, तुलना की प्रवृत्ति और निरंतर उपलब्ध रहने का दबाव रिश्तों में असंतोष और तनाव पैदा कर रहा है। हम दूसरों की जिंदगी पर नजर रखने में इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपने घर के भीतर चल रही भावनाओं को समझने का समय ही नहीं बचा। यह स्थिति यदि यूं ही चलती रही तो परिवार केवल एक संरचना बनकर रह जाएगा, जिसमें आत्मा का अभाव होगा। ऐसे समय में आदर्श और अनुकरणीय परिवार व्यवस्था की पुनर्स्थापना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। इसके लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि करियर और परिवार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यह सोच बदलनी होगी कि सफलता का पैमाना केवल पद, पैसा और प्रतिष्ठा है। यदि इन सबके बीच परिवार में संवाद, स्नेह और अपनापन नहीं है, तो ऐसी सफलता अधूरी ही नहीं, खोखली भी है। नए वर्ष में हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने समय, ऊर्जा और प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करेंगे।

परिवार को बचाने के लिए किसी बड़े सिद्धांत की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों की जरूरत है। घर में रहते हुए कुछ समय तकनीक से दूरी बनाना, साथ बैठकर भोजन करना, बच्चों और बुजुर्गों की बातों को ध्यान से सुनना और एक-दूसरे की भावनाओं को महत्व देना, ये सब साधारण लगने वाले कदम ही परिवार को फिर से जोड़ सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि गुणवत्ता पूर्ण समय केवल घंटों की संख्या से नहीं, बल्कि उस समय में मौजूद संवेदनशीलता और सहभागिता से तय होता है। नई परिवार व्यवस्था का अर्थ यह नहीं कि हम पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों लौटा लें, बल्कि यह है कि हम आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं के बीच संबंधों के मूल्यों को सुरक्षित रखें। जहां दोनों पति-पत्नी कामकाजी हैं, वहां जिम्मेदारियों का संतुलित बंटवारा, आपसी सहयोग और सम्मान परिवार को मजबूत बना सकता है। बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा की दौड़ के लिए तैयार करने के बजाय उन्हें भावनात्मक बुद्धिमत्ता, संवेदनशीलता और रिश्तों की अहमियत सिखाना भी उतना ही जरूरी है। बुजुर्गों को बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और संस्कार की धरोहर मानकर सम्मान देना परिवार की आत्मा को जीवित रखता है।

घर पर रहते हुए भी कार्यस्थल से डिजिटल कनेक्टिविटी ने अलग तरह के तनाव को जन्म दिया है। रही-सही कसर घर से कार्यस्थल की लंबी दूरी पूरी कर देती है जहां व्यक्ति को दिनभर का बड़ा हिस्सा सफर में बिताने की मजबूरी का सामना भी करना पड़ता है। खतरे की बात यह भी है कि दफ्तर में काम का दबाव कई बार व्यक्ति का आत्मविश्वास भी कमजोर कर देता है। यह बात और है कि संस्थानों में काम के घंटे बढ़ाने का मुद्दा भी हमारे यहां बहस का विषय बनता रहा है। तर्क यह भी दिया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर उत्पादकता बढ़ाने का विकल्प कार्य के घंटे बढ़ाना ही हो सकता है। इसीलिए श्रम कानून में भी काम के घंटे बढ़ाने की छूट दी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि अधिक से अधिक कमाने की चाहत के साथ-साथ कार्यस्थल पर काम का बोझ भी बढ़ा है। यह भी जरूरी है कि संस्थान और समाज दोनों स्तरों पर वर्क-लाइफ बैलेंस को गंभीरता से लिया जाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

# कोलकाता में अमित शाह ने राज्य भाजपा नेतृत्व से क्षेत्रवार हालात की ली रिपोर्ट

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार रात राज्य भाजपा की कोर कमेटी के साथ अहम बैठक की। शाह ने क्षेत्रवार राजनीतिक और सामाजिक हालात की विस्तृत जानकारी ली । मौजूद नेताओं से खुलकर सुझाव भी मांगे।

बैठक में उपस्थित राज्य समिति के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि सॉल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक में राज्य भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और शांतनु ठाकुर के साथ संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और केंद्रीय पर्यवेक्षक मौजूद रहे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शाह ने हर क्षेत्र की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में 'सेटिंग थ्योरी' का मुद्दा भी उठा। पत्रकार वार्ता के दौरान इस सवाल पर सार्वजनिक रूप से असंतोष न जताने वाले शाह ने

कोर कमेटी की बैठक में इस पर नाराजगी व्यक्त की। भाजपा सूत्रों का कहना है कि शाह ने साफ तौर पर कहा कि इस तरह की अटकलों को वह बिल्कुल पसंद नहीं करते।

इस दौरान आगामी चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यक्रमों, तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आंदोलनों और संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा की गई। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, शाह ने आश्वासन दिया कि मतुआ समुदाय के नाम बड़ी संख्या में मतदाता सूची से न हटें, इसकी जिम्मेदारी वह स्वयं लेंगे। साथ ही तृणमूल कांग्रेस द्वारा मतुआ इलाकों में डर का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशों को नाकाम करने का भरोसा भी दिया। कोर कमेटी की बैठक के बाद अमित शाह न्यू टाउन के तालकुठी पहुंचे, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ समन्वय बैठक भी हुई।

इस बैठक में संघ और भाजपा के बीच राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी संभालने वाले वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। हालांकि बैठक के बाद संघ नेतृत्व ने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। उसमें शामिल बंगाल के प्रचार प्रमुख जिष्णु बसु ने कहा कि यह आंतरिक बैठक थी। इसके बारे में कोई ऐसी बात नहीं है जो बाहर बताई जाए।

## अमित शाह का बंगाल दौरा संपन्नः ठनठनिया काली मंदिर में की पूजा

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के उद्देश्य से आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को अपने 48 घंटे के व्यस्त दौरे का समापन किया। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने कोलकाता में धार्मिक और सांगठनिक कार्यक्रमों में शिरकत की। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य कोलकाता स्थित ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। करीब 300 साल पुराने इस प्रसिद्ध मंदिर में अमित शाह दोपहर लगभग 3.45 बजे पहुंचे। यह मंदिर हिंदू तांत्रिक परंपरा से जुड़ा हुआ माना जाता है। मंदिर पहुंचने से पहले अमित शाह ने शहर के पूर्वी हिस्से में साइंस सिटी सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की, जहां संगठन और चुनावी रणनीति को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान कॉलेज स्ट्रीट इलाके में प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने मौके पर बैरिकेडिंग की और प्रदर्शनकारियों को मंदिर के पास पहुंचने से रोक दिया। पूजा-अर्चना के बाद अमित शाह सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गए, जहां से वह दिल्ली के लिए निकल गए। बंगाल दौरे के दौरान अमित शाह ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ लगातार बैठकें कर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया।

# तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीपक जलाने से कोई नहीं रोक सकता: धर्मेंद्र प्रधान

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने सपरिवार किया मीनाक्षी सुंदरश्वरर मंदिर में दर्शन पूजन

**मदुराई।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी की दीपमाला में दीपक जलाने से किसी को रोकने की अनुमति नहीं है। इस मामले में न्यायाधीश के आदेश को स्वीकार न करते हुए कुछ लोग राजनीति कर रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बुधवार को मीनाक्षी मंदिर में दर्शन के बाद यहां मीडिया से वार्ता कर रहे थे। मंत्री प्रधान आज अपने परिवार के साथ विश्वप्रसिद्ध मदुरै अरुल्मिगु मीनाक्षी सुंदरश्वरर मंदिर पहुंचे और परिवार के साथ दर्शन कर पूजा अर्चना की। उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई। यहां पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन की ओर से केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया गया। दर्शन के बाद केंदीय मंत्री प्रधान ने पत्रकारों से कहा कि हमने काशी तमिल संगम 4.0 को सफलतापूर्वक पूरा किया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के अनुसार यह काशी तमिल संगम कला और संस्कृति को प्राथमिकता देने के तरीके से आगे बढ़ रहा है। कल मैंने प्रसिद्ध रामेश्वरम में स्वामी का दर्शन किया और उसके बाद आज माता मीनाक्षी सुंदरेश्वरर का दर्शन करने का अवसर मिला है। जिससे मुझे प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री कला और संस्कृति को महत्व देने का काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, प्रत्येक राज्य के पास मातृभाषा में शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार तमिलनाडु में केवल तमिल भाषा होनी चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि प्रशासनिक तमिलनाडु सरकार तमिल को प्राथमिकता देगी। यदि छात्रों की शिक्षा को महत्व दिया जाएगा, तो उन्हें भविष्य में निश्चित रूप से अच्छी उच्च पदस्थ या अधिकारी की स्थिति मिलेगी। तिरुपराकुंद्रम पहाड़ी पर दीपक जलाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तिरुपरंगुंद्रम मामले में कुछ लोग न्यायाधीश के आदेश को स्वीकार किए बिना राजनीतिक उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश के फैसले को मानने से इनकार करके तमिलनाडु सरकार इसे राजनीतिक रूप से देख रही है। यह निंदनीय है। जो लोग हिंदुओं के लिए पवित्र माना जाने वाला तिरुपराकुंद्रम पर्वत पर दीपक लगाने से रोकते हैं, वे मूर्ख हैं। भगवान शिव ऐसे लोगों को सबक सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह तिरुक्कुरल को तमिल से अलग करना संभव नहीं है, उसी तरह तिरुपराकुंद्रम पर्वत, जो हिंदुओं की आस्था का स्थान है, पर दीपक जलाने से रोकना भी असंभव है। उल्लेखनीय है कि तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी भगवान मुरुगन के छह पवित्र आश्रयों में से एक है। इस पहाड़ी पर एक प्राचीन चट्टान को काटकर गुफानुमा मंदिर है। मंदिर से 3 किलोमीटर की दूरी पर एक दरगाह है।

# राउत के आवास के बाहर खड़ी कार पर लिखा मिला बम की धमकी का संदेश

**मुंबई।** मुंबई में शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत के आवास के बाहर बुधवार दोपहर को ऐसी कार खड़ी मिली, जिसकी खड़की पर बम की धमकी वाला एक संदेश लिखा था, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते ने उनके परिसर की तलाश ली।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भांडुप इलाके में राउत के आवास की तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। अधिकारी के मुताबिक, वैगनआर कार की खिड़की पर जमी धूल पर लिखा एक संदेश मिला कि 'आज होगा हंगामा 12 बजे बम ब्लास्ट।' राज्यसभा सदस्य के समर्थकों ने तुरंत पुलिस को बम की धमकी वाले संदेश के बारे में सूचना दी। अधिकारी के मुताबिक, बाद में बम निरोधक दस्ते के कर्मी मौके पर पहुंचे और राउत के बंगले की अच्छी तरह से जांच की लेकिन उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने बताया कि कार को जब्त कर लिया गया है और पुलिस धमकी भरे संदेश के सिलसिले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

# गोवा में तीसरे जिले का नाम कुशावती रखा जाएगा : मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत

**पणजी।** गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि राज्य में प्रस्तावित तीसरे जिले का नाम 'कुशावती' रखा जाएगा, जो इस क्षेत्र से होकर बहने वाली नदी के नाम पर है। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए एक महत्वाकांक्षी जिला बनेगा।

वर्तमान में, गोवा में दो जिले हैं - उत्तरी गोवा और दक्षिणी गोवा। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि नये जिले में चार तालुका - धारबंदोरा, क्वेपेम, सांगुएम और कनाकोना - शामिल होंगे, जो वर्तमान में दक्षिण गोवा का हिस्सा हैं। सावंत ने कहा कि नये

जिले के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध होने तक नये जिले के सभी प्रशासनिक कार्य दक्षिण गोवा जिले से संचालित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नये जिले का नाम कुशावती नदी के नाम पर रखा जाएगा, जो गोवा के इन हिस्सों में बहती है। सावंत के अनुसार जब तक नये जिले में पूर्णकालिक जिलाधिकारी की नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक दक्षिण गोवा जिले के जिलाधिकारी यह जिम्मेदारी संभालेंगे। सावंत ने कहा कि क्वेपेम शहर नये जिले का मुख्यालय होगा, जिसे कैनकोना और धारबंदोरा जैसे क्षेत्रों से उचित बस सेवा के माध्यम से जोड़ा जाएगा ताकि लोगों को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के आकांक्षी जिलों को केंद्र सरकार से 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि मिलती है। इसलिए, 27 प्रतिशत आदिवासी आबादी वाले इस नये जिले के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी केंद्र सरकार से विशेष धनराशि का अनुरोध किया जाएगा।

# चुनाव आयोग से मिला तृणमूल प्रतिनिधिमंडल

**नई दिल्ली।** तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल मतदाता सूची को अपडेट करने से जुड़े मसले पर राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में बुधवार को यहां मुख्य चुनाव आयुक्त से मिला। इसमें पार्टी ने आठ से 10 मुद्दे उठाए।

मुलाकात के बाद पार्टी महासचिव बनर्जी ने कहा कि दो से तीन विषयों को छोड़कर हमें किसी भी मुद्दे पर ठोस जवाब नहीं मिला और आयोग की ओर से हर मुद्दे को नागरिकता तक ले जाया गया। दूसरी ओर चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस को चुनाव प्रतिनिधियों को धमकाने का विषय रखा और उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक दोपहर 12 बजे शुरू हुई और करीब ढाई घंटे तक चली। पिछले महीने 28 नवंबर को भी पार्टी का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार प्रतिनिधिमंडल से कहा गया है कि पार्टी सुनिश्चित करे कि उनके जमीनी स्तर के राजनीतिक प्रतिनिधि चुनाव ड्यूटी पर तैनात किसी भी कर्मचारी को धमकाने में शामिल न

हों। कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करने वाले किसी भी शरारती तत्व के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजनीतिक प्रतिनिधियों या कार्यकर्ताओं का बीएलओ, ईआरओ, एईआरओ, ऑब्जर्वर आदि सहित किसी भी चुनावी कर्मचारी को धमकाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार को चुनाव आयोग की ओर से मंजूर किया गया बढ़ा हुआ मानदेय हर बीएलओ को तुरंत जारी करने को कहा। प्रतिनिधिमंडल को यह भी बताया गया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए हाई राइज़ बिल्डिंग, गेटेड कम्युनिटी और झुग्गियों में पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने के बाद तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हमने आठ से दस मुद्दों पर बात की।

इस बार दो या तीन बातों को छोड़कर हमें किसी भी चीज़ पर कोई स्पष्टता नहीं मिली। एसआईआर के बारे में पूछे जाने पर हर विषय को नागरिकता से जोड़ा गया। किसी भी विषय का कोई ठोस जवाब नहीं मिला। अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि माइक्रो-ऑब्जर्वर की तैनाती और प्रशासनिक कदमों के जरिए बंगाल की छवि खराब करने तथा लोगों को परेशान करने की कोशिश की जा रही है। प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बिहार में मजदूरों को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई के लिए नहीं बुलाया गया, जबकि बंगाल में अलग नियम लागू किए जा रहे हैं। बनर्जी ने सवाल उठाया कि एक देश में अलग-अलग राज्यों के लिए अलग मानदंड क्यों हैं।

उन्होंने बताया कि आयोग के समक्ष 8-10 सवाल रखे गए, जिनमें से अधिकांश पर संतोषजनक जवाब नहीं मिले। उन्होंने सुनवाई स्थलों के विकेंद्रीकरण की मांग की, जिस पर आयोग ने मौखिक सहमति जताई। इससे पहले हमने चुनाव आयोग से पांच सवाल पूछे थे लेकिन हमें उनमें से किसी का भी एक भी सटीक जवाब नहीं मिला। सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि यहां आने से दो दिन पहले, हमारे राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल पश्चिम बंगाल में मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय गया था। वहां, पांच सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर चिंता जताई कि वरिष्ठ नागरिकों, खासकर मेडिकल कंडीशन वाले लोगों को पहचान प्रक्रिया के दौरान और वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए कैसे परेशान किया जा रहा है।

# महाराष्ट्र में धर्मांतरण के प्रयास को लेकर आठ केरल के पादरी समेत 8 लोग गिरफ्तार

**अमरावती।** महाराष्ट्र के अमरावती जिले की पुलिस ने लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए पैसे देने की पेशकश करके धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में आठ लोगों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में केरल निवासी एक पादरी और चार महिलाएं शामिल हैं।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने 'मलयाली ईसाई पादरी, उनके परिवार और सहयोगियों' की गिरफ्तारी को 'अत्यंत चिंताजनक' करार दिया और 'ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के चिंताजनक चलन' के लिए संघ परिवार की आलोचना की। अमरावती से 80 किलोमीटर दूर वरुड के निवासी लक्ष्मण शेडे ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार पांच-छह लोग 30 दिसंबर को स्थानीय निवासी रीतेश बोंडरे के घर आए और उनके घर के सामने एक पंडाल लगा दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सफेद कपड़े पहने एक व्यक्ति गांव के लोगों को ईसाई धर्म

के बारे में उपदेश देने लगा और धर्मांतरण के लिए पैसे का लालच दिया। शिकायत के आधार पर बेनोडा थाने के प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और आठ आरोपियों को पूछताछ के लिए थाने ले गए।

पुलिस ने कहा कि आठ आरोपियों की पहचान बोंडरे, आनंदकुमार कर्री, सुधीर विलियम, विक्रम सांडे और चार महिलाओं के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि केरल का निवासी विलियम एक पादरी है। बुधवार को पुलिस ने आठ आरोपियों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करके स्थानीय अदालत में पेश किया, जिसने उन्हें जमानत दे दी। आरोपियों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने समेत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नागपुर में जबरन धर्मांतरण के आरोप में एक मलयाली ईसाई पादरी, उनके परिवार और सहयोगियों की गिरफ्तारी बेहद चिंताजनक है। यह घटना ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के संघ परिवार के चिंताजनक चलन को उजागर करती है। इससे पहले जबलपुर में भी ऐसा हुआ था। ऐसे कृत्य संवैधानिक स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाते हैं।"

# शीतकालीन गद्दीस्थल पर अब तक 12 हजार यात्री कर चुके हैं बाबा केदार के दर्शन

**देहरादून।** बाबा केदार के शीतकालीन गद्दीस्थल ओम्कारेश्वर मंदिर में अभी तक लगभग 12 हजार तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। मंदिर में इन दिनों खूब चहल पहल है।

दरअसल, शीतकाल के लिए केदारनाथ धाम के कपाट अक्टूबर में बंद हो चुके हैं। शीतकाल में बाबा केदार ओम्कारेश्वर मंदिर उखीमठ में विराजमान हैं। बाबा केदार की शीतकालीन गद्दीस्थल पर दो माह में 12 हजार तीर्थ यात्री ओम्कारेश्वर मंदिर पहुंचकर दर्शन कर चुके हैं। ऊखीमठ में स्थित ओम्कारेश्वर मंदिर में बाबा केदार शीतकाल के 6 माह विराजते हैं। इस स्थान पर दर्शन करने से एक साथ पंच केदारों के दर्शन करने का पुण्य मिलता है। इसलिए इसे पंच केदार शीतकालीन गद्दीस्थल कहा जाता है। मान्यता है की जो भक्त केदारनाथ धाम नहीं जा सकता है, वो यहां पर दर्शन कर केदारनाथ धाम जैसा पुण्य अर्जित कर सकता है। मंदिर के निकट अनिरुद्ध-उषा विवाह मंडप भी स्थित है। जिसके भी भक्त दर्शन करते हैं। यह विवाह स्थल अब वेडिंग डेस्टिनेशल के रूप में भी विकसित हो रहा है। इन दिनों पर्यटक स्थल चोपता आने-जाने वाले तीर्थ यात्री ओंकारेश्वर मंदिर भी पहुंच रहे हैं, जिससे मंदिर में खूब चहल-पहल है और स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

# हिन्दी केवल भाषा नहीं, राष्ट्रीय एकता की अभिव्यक्ति है : मंत्री जितेंद्र सिंह

**नई दिल्ली।** केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि हिन्दी मात्र संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय एकता, समावेशी सोच और बहुभाषी संस्कृति की सशक्त अभिव्यक्ति है।

डॉ. सिंह ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में हिन्दी के माध्यम से वैज्ञानिक ज्ञान के व्यापक प्रसार, जनभागीदारी को सुदृढ़ करने और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। डॉ. सिंह ने कहा कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक भारत की बहुभाषी परंपरा और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने मंत्रालय के सचिव और संयुक्त सचिव की सराहना करते हुए कहा कि तमिलनाडु

से जुड़े अधिकारियों के नेतृत्व में मंत्रालय में हिन्दी कार्यान्वयन को नई गति मिली है। लगभग दो दशकों के बाद ऐसा सकारात्मक संयोग बना है, जिसमें तमिलनाडु से जुड़े अधिकारियों ने मंत्रालय में हिन्दी से संबंधित कार्यों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा और सशक्त हुई है।

विज्ञान को आमजन तक पहुंचाने पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि संवाद की भाषा सरल, सुलभ और सटीक होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिन्दी को बढ़ावा देते समय वैज्ञानिक शब्दावली की मौलिकता और शुद्धता बनाए रखी जाएगी, ताकि विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को किसी प्रकार की प्रतिस्पर्धात्मक कठिनाई न हो। इसके लिए अनुवाद कार्य में विषय विशेषज्ञों को भाषाविदों के साथ जोड़ा जा रहा है। उन्होंने 21वीं सदी के भारतीय वैज्ञानिकों को उचित पहचान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि मंत्रालय आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों पर एक डिजिटल रिपॉजिटरी विकसित करने पर विचार कर रहा है, जो शोध, नीति निर्माण और जनसंपर्क में सहायक होगी।

सदस्यों के सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिताएं और चुनौती-आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। डीप ओशन मिशन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं पर आधारित छात्र-केंद्रित गतिविधियां युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक होंगी। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में हिन्दी का विस्तार स्वाभाविक और मांग-आधारित रहा है। कॉर्पोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भी हिन्दी दक्ष युवाओं की मांग बढ़ी है, जो तमिलनाडु और पूर्वोत्तर राज्यों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

इससे हिन्दी रोजगार और अवसर की भाषा के रूप में भी उभर रही है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि डीप ओशन मिशन, तटीय अनुसंधान, भूकंपीय अध्ययन और मौसम विज्ञान जैसी पहलें आने वाले वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था और रणनीतिक क्षमताओं को नई दिशा देंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत महासागर और पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में भी वैश्विक नेतृत्व स्थापित करेगा। केंद्रीय मंत्री ने हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि वे औपचारिक बैठकों के साथ-साथ अन्य माध्यमों से भी अपने रचनात्मक और व्यावहारिक सुझाव मंत्रालय तक पहुंचाते रहें।

### श्री राम जन्मभूमि परिसर में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर रक्षा मंत्री ने की धर्मध्वजा की स्थापना

# गगन में जब तक चंद्र और दिवाकर विद्यमान हैं, तब तक सनातन आस्था की ये धर्मध्वजा लहराती रहे: राजनाथ सिंह

**अयोध्या।** श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के विराजमान होने के प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह के द्वितीय वार्षिकोत्सव में शामिल होने, आज देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अयोध्या धाम पहुंचे। इस पावन अवसर पर उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में हनुमान जी का दर्शन पूजन कर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के दर्शन किये। इसके बाद उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया।

इस दौरान अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने अपने मनोभावों को व्यक्त करते हुए कहा कि "नाथ आजु मैं कहा न पावा"। ऐसा लग रहा है कि जीवन में मैं जो पाना चाहता था, वह सब कुछ मुझे मिल गया। राघवेंद्र सरकार ने इस दिन के लिए स्वयं मुझे चुना था, इसलिए आज यह अवसर मुझे मिल रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यशाली दिन बताते हुए कहा, आज से दो वर्ष पूर्व जब प्रभु श्रीराम यहां पुनर्प्रतिष्ठित हुए, वो समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण था। प्रभु

श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की हर गली-हर चौराहा राममय हो गया हो। कनक भवन, दशरथ महल, हनुमानगढ़ी, संपूर्ण अयोध्या मां सरयु की गोद में शोभायमान हो रही है।

यह आभा केवल अयोध्या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण अवध और भारतवर्ष आज राममय है। उन्होंने इस दिन को गौरवपूर्ण बताते हुए याद दिलाया कि यह वही भूमि है, जिसने वर्षों तक भगवान राम के लिए असहनीय बलिदान दिया, अपमान सहा, लेकिन आस्था को कभी डिगने नहीं होने दिया। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को राजनाथ सिंह ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा कहा। उन्होंने कहा कि भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेकों देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सब राम को मानने वालों का आंदोलन था। 500 वर्षों के लम्बें अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन इतिहास में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में केवल श्रीराम मंदिर का ही निर्माण नहीं हुआ है बल्कि हवाई अड्डा, रेल नेटवर्क, रोड कनेक्टिविटी के साथ उद्योग, व्यापार का सभी क्षेत्रों में अयोध्या विकास के नये आयाम रच रही हैअवधपुरी की इस विकास यात्रा के लिए उन्होंने डबल इंजन सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और सफल प्रयास की सराहना की और बधाई दी।

## अयोध्या के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे नहीं टिक पाया कोई दुश्मनः योगी

**अयोध्या।** श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। सीएम योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था। सीएम योगी ने पिछली सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जिस अयोध्या में कभी संघर्ष नहीं होता था, उस अयोध्या में पिछली सरकारों के शासन में आतंकी हमले होते थे। अयोध्या को लहुलूहान करने का प्रयास हुआ था, लेकिन जहां प्रभु की कृपा बरसती हो और जहां हनुमानगढ़ी में स्वयं हनुमान जी महाराज विराजमान हैं, वहां कोई आतंकी कैसे घुस जाता। 2005 में जैसे ही आतंकियों ने दुस्साहस किया, तैसे ही पीएसी के जवानों ने ठक-ठक करके उन्हें मार गिराया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष के अंदर तीन महत्वपूर्ण घटनाओं को अयोध्या कभी विस्मृत नहीं कर सकती। स्वतंत्र भारत में पहली बार 5 अगस्त 2020 को किसी प्रधानमंत्री का अयोध्या में आगमन हुआ। उन्होंने उस दिन यहां श्रीराम मंदिर का भूमि पूजन किया। 22 जनवरी 2024 (पौष शुक्ल द्वादशी) को फिर अयोध्या धाम आकर प्रधानमंत्री ने रामलला की भव्य मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपन्न किया। 25 नवंबर 2025 को विवाह पंचमी पर प्रधानमंत्री जी ने अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर पर सनातन धर्म की भगवा ध्वजा को प्रतिष्ठित किया और संदेश दिया कि सनातन से ऊपर कोई नहीं। सनातन का पताका हमेशा ऐसी ही दिखाई देगी।

# प्रयागराज मंडल ने पीक्यूआरएस तकनीक से रचा नया कीर्तिमान

**प्रयागराज।** मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व एवं वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर प्रथम अरुण कुमार के मार्ग निर्देशन में 30 दिसम्बर को प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे ने ट्रैक नवीनीकरण के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए पीक्यूआरएस पद्धति के माध्यम से मात्र 5.5 घंटे के ट्रैफिक ब्लॉक में 56 पैनल (0.706 किमी) ट्रैक नवीनीकरण कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न किया। यह कार्य करछना-प्रयागराज छिवकी अप लाइन ब्लॉक सेक्शन, डीडीयू-प्रयागराज अप मेन लाइन (ग्रुप 'ए' मार्ग) पर किया गया। इस उपलब्धि के साथ मंडल ने पूर्व के 48 पैनल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए उत्तर मध्य रेलवे का नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि पीक्यूआरएस प्रणाली के उपयोग से ट्रैक बिछाने में लगने वाला समय उल्लेखनीय रूप से कम हो जाता है तथा सीमित अवधि में उच्च गुणवत्ता का कार्य सुनिश्चित किया जा सकता है। इससे सामान्य रेल परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है और ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार के साथ ट्रेनों की गति में भी वृद्धि संभव होती है। पीक्यूआरएस (Plasser's Quick Relaying

System) स्वचालित क्रेनों पर आधारित एक आधुनिक, कॉम्पैक्ट प्रणाली है, जो रखरखाव लागत को कम करती है। यह प्रणाली नई रेल लाइनों के निर्माण के साथ-साथ मौजूदा ट्रैक संरचना के आधुनिकीकरण में व्यापक रूप से उपयोग की जाती है। इसके माध्यम से कम समय में अधिक लंबाई के ट्रैक का नवीनीकरण संभव हो पाता है, जिससे ट्रैफिक ब्लॉक का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होता है।

पीआरओ ने बताया कि इस उच्च-आउटपुट ट्रैक नवीनीकरण कार्य की पूर्णता उत्तर मध्य रेलवे की आधुनिक तकनीकों को अपनाने, परिसंपत्ति विश्वसनीयता बढ़ाने तथा रखरखाव दक्षता सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

# उम्रकैद के तहत 38 साल की सज़ा काटने के बाद हत्या के मामले में तीन आरोपी बरी

**प्रयागराज।** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने हत्या के मामले में आजीवन कारावास के तहत 38 साल की जेल काटने के बाद तीन आरोपियों को इस आधार पर बरी कर दिया कि यह हत्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा की गई थी।

सजा के खिलाफ अपील स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने कहा कि घटनास्थल पर अभियोजन पक्ष के गवाहों की मौजूदगी अत्यधिक संदेहपूर्ण है और ऐसा लगता है कि उन्होंने घटना नहीं देखी और वे मौके पर तब पहुंचे जब व्यक्ति की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी तथा अन्य ग्रामीण वहां पहुंच चुके थे। अपीलकर्ताओं का आरोप था कि उस गांव में दलगत राजनीति होती है और पार्टीबंदी की वजह से उन्हें फंसाया गया है। तथ्यों के मुताबिक, आठ जुलाई, 1982 को अपीलकर्ताओं द्वारा शिकायतकर्ता के भाई की पीटकर कथित रूप से हत्या कर दी गई थी। तहरीर में कहा गया था कि शिकायतकर्ता यदि अपने भाई की मौत के बारे में पुलिस को सूचना देगा तो उसे जान से मार दिया जाएगा।

इस मामले में इलाहाबाद के सोरांव थाने में सभी 11 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। निचली अदालत ने गवाहों के बयान और साक्ष्यों पर गौर करने के बाद 13 अप्रैल, 1987 को आरोपियों को हत्या का दोषी ठहराया था और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद, सभी आरोपियों ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी। हालांकि, अपील लंबित रहने के दौरान 11 में से आठ अपीलकर्ताओं की मृत्यु हो गई। उच्च न्यायालय ने 18 दिसंबर 2025 को दिए अपने निर्णय में कहा कि मामले में पेश साक्ष्यों में भारी विरोधाभास है और अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे अपने मामले को साबित करने में विफल रहा। पीठ ने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने रिकॉर्ड में पेश साक्ष्यों को सही परिपेक्ष्य में नहीं समझा और गलत निष्कर्ष निकाला।

मृतक के भाई और चाचा की गवाहियों के संबंध में उच्च न्यायालय ने कहा कि इस बात की कोई सूचना नहीं है कि मृतक को पीटे जाने के बारे में सूचना उसके चाचा को किसने दी। पीठ ने कहा कि जिस अज्ञात व्यक्ति ने चाचा को सूचना दी, वह सीधे मृतक के भाई को भी सूचना दे सकता था। अदालत ने पाया कि जिस समय मृतक के भाई को सूचना दी गई तब से लेकर उसके और ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने तक कम से कम एक घंटे का समय लगा और यह संभव नहीं है कि 11 हमलावर व्यक्ति को जान से मारने के इरादे से एक घंटे तक पीटते रहे होंगे और शव पर चोट के केवल 10 निशान पड़ेंगे।

अदालत ने यह भी कहा कि कोई व्यक्ति यह सूचना पाकर कि उसके भाई को पीटा जा रहा है, घटनास्थल पर खाली हाथ नहीं जाएगा और सबसे छोटे मार्ग से मौके पर पहुंचेगा जबकि यहां शिकायतकर्ता और उसके चाचा खाली हाथ गए और लंबा मार्ग लिया जिससे संदेह पैदा होता है।

## क़र्बला की जमीन पर कब्जे का प्रयास करने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

**प्रतापगढ़।** जिले में कर्बला की जमीन पर कब्जा करने के प्रयास के मामले में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष की तहरीर यह कार्रवाई की गई है।

पुलिस उपाधीक्षक (नगर) प्रशांत राज ने 30 दिसंबर को थाना नगर कोतवाली क्षेत्र के रंजीतपुर चिलबिला में स्थित करबला की जमीन पर कुछ लोग जेसीबी मशीन लेकर पहुंचे और कर्बला को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करने लगे। इस पर बड़ी संख्या में लोग विरोध में जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति को शांत कराया और दोनों जेसीबी मशीनों को

▸▸ अधिकारी ने बताया कि मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष की तहरीर यह कार्रवाई की गई है

कब्जे में ले लिया। मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली की तहरीर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और शांति भंग करने के इरादे से अपमान करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार देर शाम तहसील गेट से पलटन बाजार निवासी विजय मौर्या और विशाल मौर्या, दाहिलामऊ निवासी अनूप श्रीवास्तव तथा मदाफरपुर निवासी अंकित जायसवाल गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# संभल में तालाब की चार बीघा भूमि से कब्जा हटाने के लिए तहसीलदार के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

संभल। जनपद संभल की सदर कोतवाली क्षेत्र में तालाब की चार बीघा भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए तहसीलदार के नेतृत्व में कार्रवाई हुई है। अवैध कब्जे को हटाने के लिए बुधवार को बुलडोजर चलाया गया। .

यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान का हिस्सा है। संभल कोतवाली क्षेत्र के गांव शहजादी सराय में बाहर चुंगी स्थित गाटा संख्या 304, रकवा 0.259 हेक्टेयर (लगभग चार बीघा) तालाब की भूमि पर कब्जा था। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने के लिए प्रवर्तन टीम पहुंची। इसके लिए संभल नगर पालिका परिषद की जेसीबी मशीन बुलाई गई है।

अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई के लिए तहसीलदार ने राजस्व निरीक्षक पंकज गुप्ता के नेतृत्व में छह लेखपालों की एक टीम

गठित थी। इस टीम में स्पर्श गुप्ता, सचिन गुप्ता, नितिन शर्मा, सुभाष चंद्र, गन्नू बाबू और शहराज उस्मानी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, भूमाफियाओं ने इस चार बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर इसे बेच दिया था। अतिक्रमणकारियों ने जमीन के चारों ओर ऊंची मेड़ बनाकर उसे घेर लिया था और पेड़ भी लगा दिए थे। लेखपालों की टीम पहले भूमि की पैमाइश की। फिर बुलडोजर चलाकर गया।

तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यह तालाब का रकबा है। इस पर आसपास के लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने कहा कि यह संभल-मुरादाबाद रोड पर स्थित शहर की जमीन है, जिसे चिन्हित कर अलग किया जा रहा है। तहसीलदार ने बताया कि आरिफ हिलाल और कपिल सिंघल के परिवार के सदस्यों सहित कई अन्य लोगों का इस भूमि पर कब्जा है। इन लोगों ने तालाब की भूमि को अपने गाटा संख्या में शामिल कर क्रय-विक्रय किया था। अब इस चार बीघा तालाब की भूमि को अलग किया जा रहा है। इसकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपये में है।

## पत्नी के मायके से वापस न आने की वजह से युवक ने खुदकुशी की

बलिया। बैरिया थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवक ने पत्नी के मायके से वापस न आने को लेकर कथित रूप से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान फतरे राय के टोला निवासी बिरज कुमार के तौर पर हुई है और उसने मंगलवार रात अपने घर में आत्महत्या की। थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि यादव नशे का आदी था और उसकी नशे की लत के कारण उसकी पत्नी अपने मायके चली गई थी और वापस नहीं आ रही थी । सिंह के मुताबिक, समझा जाता है कि यादव ने पत्नी के मायके से वापस नहीं आने की वजह से अपनी जान दे दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

# नए साल पर युवाओं में धार्मिक पर्यटन का बढ़ा रुझान, काशी, मथुरा, अयोध्या में लाखों की संख्या में पहुंच रहे युवा

**लखनऊ।** नए साल का जश्न मनाने के लिए जहां युवा पहले पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित होकर डिस्को, होटल, रेस्टोरेंट और हिल स्टेशनों का रुख करता था, इस साल इसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन के पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में जिस तरह से धार्मिक और पर्यटन स्थलों का विकास हुआ है, उसका ही परिणाम है कि युवा लाखों की संख्या में काशी, मथुरा-वृंदावन और अयोध्या में नए साल की शुरूआत अपने इष्ट का दर्शन-पूजन से कर रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश से उठी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की वो लहर है, जिसमें न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के युवा, लड़के-लड़कियां नए जोश और उत्साह के साथ सम्मिलित हो रहे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, इस वर्ष नए साल से कई दिन पहले से ही प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज में लाखों की संख्या में युवा पर्यटक पहुंच रहे हैं। इस क्रम में 29-30 दिसंबर को ही अयोध्या में भगवान श्रीराम का दर्शन करने 5 लाख से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं, जबकि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में पिछले तीन दिनों में 10 लाख और मथुरा में 3 लाख से अधिक पर्यटकों ने दर्शन पूजन किया। इनमें युवा

पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक है। 31 दिसंबर और 01 जनवरी को और अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया जा रहा है जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा प्रबंध किए हैं, साथ ही सुविधा के लिए गाइडलाइन भी जारी की है। नए साल का जश्न धर्म स्थलों में मनाने का युवाओं का यह रुझान सोशल मीडिया पर भी दिखाई दे रहा है। जहां न्यू ईयर 2026 इन अयोध्या, न्यू ईयर 2026 इन काशी या स्पिरिचुअल न्यू ईयर जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। युवा नए साल के जश्न में इन धर्म स्थलों पर दर्शन पूजन कर, दोस्तों और परिवारजनों के साथ सेल्फी अपलोड कर रहे हैं। यही रुझान पिछले वर्ष प्रयागराज में आयोजित हुए दिव्य-भव्य महाकुंभ में भी देखने को मिला था, जिसमें न केवल देश बल्कि विश्व के कोने-कोने से श्रद्धालु और पर्यटकों ने आकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से प्रदेश में धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सांस्कृतिक पुनरुत्थान हुआ है, उसने युवाओं के मन में आध्यात्मिक उत्साह और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अलख जगाई है। इस संबंध में काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, विश्व भूषण मिश्र का कहना है- सनातन संस्कृति उत्सव, उत्साह एवं उल्लास की आश्रयस्थली है। विश्व के समस्त उत्सव सनातन मान्यता में उत्कर्ष प्राप्त करते हैं। लोक उत्सव प्रायः तात्कालिक सत्ता के आचरण को प्रतिबिंबित करता है। अतः स्वाभाविक ही है कि वर्तमान काल में प्रत्येक पर्व पर चाहे वह भारतीय हो अथवा पश्चिम का पर्व, सनातन आस्था के केंद्रों पर श्रद्धालुओं का प्रवाह अभूतपूर्व है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से जिस तरह से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन हुआ, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण और मथुरा-वृंदावन, तीर्थराज प्रयागराज, विंध्याचल, नैमिषारण्य, संभल, मुजफ्फरनगर में शुक्रतीर्थ (शुक्रताल) के साथ प्रदेश के पुरातन मंदिरों का जीर्णोद्धार हुआ है, इससे विशेष तौर पर युवाओं में सनातन संस्कृति और अपनी परंपराओं के प्रति नई को ऊर्जा का संचार हुआ। यह स्थान पहले की सरकारों में उपेक्षा का शिकार थे। प्रमुख तीर्थों और धार्मिक स्थलों तक सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के साथ वहां रुकने ठहरने, होटल और रेस्टोरेंट गतिविधियों का विकास हुआ है। यही नहीं जिस तरह से समय-समय पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की ओर से दिव्य-भव्य उत्सवों का आयोजन किया जाता है, उसने प्रदेश के युवाओं में सनातन संस्कृति के तीर्थों और धर्म स्थलों के प्रति आकर्षण बढ़ाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के इन प्रयासों ने न केवल प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा दिया है, बल्कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर

## आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर चलती बस में लगी आग

**कन्नौज।** कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर देर रात एक चलती बस में आग लग गई। यह हादसा तिर्वा कोतवाली क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 192 पर फगुआ कट के पास हुआ। बस पानीपत से बिहार जा रही थी। आग लगते ही बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने तुरंत बस से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही तिर्वा सीओ कुलवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फायर कर्मी जब तक आग पर काबू पाते तब तक पूरी बस धू-धू कर जल गई। घटना मंगलवार रात लगभग 11 बजे की है। हादसे के समय बस में बच्चों समेत करीब 50 लोग सवार थे। यात्रियों ने बताया कि बस के आगे के हिस्से में अचानक से धुआं उठने लगा। जिससे बस में सवार लोगों को घुटन सी होने लगी और चीख पुकार मच गई। तत्काल ड्राइवर को बस रोकने को कहा। बस रुकते ही सभी सवारियां नीचे उतर गईं। इसके बाद बस आग की लपटों में घिर गई और देखते ही देखते पूरी बस खाक हो गई

मामले को लेकर सीओ कुलवीर सिंह ने बताया कि आग का कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन शार्ट सर्किट से आग लगने का अनुमान है। बस को रास्ते से हटाकर रास्ता साफ कर दिया गया है। बस में सवार सभी यात्रियों को अन्य साधनों से उनके गंतव्य स्थान के लिए भेज दिया गया।

# टेंबा बावुमा कप्तान, सीए की 'बेस्ट टेस्ट प्लेइंग इलेवन 2025' में आठ देशों के खिलाड़ी नहीं

**नई दिल्ली।** साल 2025 टेस्ट क्रिकेट के लिहाज से बेहद अहम साल था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपना पहला खिताब जीता और ऑस्ट्रेलिया को लगातार दूसरा खिताब जीतने से रोका। ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम का इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज ड्रा कराना और दक्षिण अफ्रीका का भारत में टेस्ट सीरीज जीतना ने भी सुर्खियां बटोरीं।

साल की समाप्ति पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बेस्ट टेस्ट इलेवन जारी की है। इसमें तीन भारतीयों को जगह दी गई है। वहीं टीम की कप्तानी दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बवुमा को सौंपी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की 2025 की बेस्ट टेस्ट इलेवन में 3 भारतीय (केएल राहुल, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह), 4 ऑस्ट्रेलियाई (ट्रेविस हेड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड), इंग्लैंड के 2 (बेन स्टोक्स और जो रूट) और दक्षिण अफ्रीका के 1 (सिमोन हार्मर) खिलाड़ी को जगह दी गई है। भारत के दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को 12वें खिलाड़ी के रूप में जगह दी गई है। केएल राहुल को ट्रेविस हेड के साथ बतौर सलामी बल्लेबाज टीम में जगह दी गई है। तीसरे नंबर पर जो रूट और चौथे नंबर पर शुभमन गिल हैं।

पांचवें नंबर पर टेंबा बावुमा आएंगे ,जिन्हें टीम का कप्तान बनाया गया है। बावुमा की कप्तानी में ही दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता था। बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने भारत में 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप की। छठे नंबर पर एलेक्स कैरी हैं, जो विकेटकीपर भी होंगे। सातवें नंबर पर बेन स्टोक्स और आठवें पर मिचेल स्टार्क हैं।

नौवें नंबर पर जसप्रीत बुमराह और दसवें नंबर पर स्कॉट बोलैंड हैं। ग्यारहवें नंबर पर सिमर हार्मर हैं। हार्मर टीम में एकमात्र स्पिनर हैं। हार्मर की जगह जडेजा को रखा जा सकता था, जिनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हार्मर के मुकाबले कहीं ज्यादा अनुभव है। साथ ही, एक बेहतरीन स्पिनर होने के साथ ही, वह टेस्ट फॉर्मेट के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। जडेजा की उपस्थिति टीम को और मजबूत बनाती। इस टीम में न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे, श्रीलंका, आयरलैंड, बांग्लादेश, और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली।

## ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन अस्पताल में भर्ती, मेनिनजाइटिस से जूझ रहे

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह मेनिनजाइटिस (दिमागी बुखार) से जूझ रहे हैं। 54 साल के मार्टिन बॉक्सिंग डे पर बीमार पड़ गए थे। मार्टिन अभी इंड्यूस्ड कोमा में हैं। डेमियन मार्टिन के करीबी दोस्त और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने उनकी बीमारी की पुष्टि की है। मार्टिन की स्थिति चिंताजनक है और उनके साथ खिलाड़ी उनके स्वस्थ होने के लिए दुआ कर रहे हैं। गिलक्रिस्ट ने न्यूज कॉर्प से कहा कि उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिल रहा है। अमांडा और उनके परिवार को पता है कि बहुत से लोग उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं। पूर्व बल्लेबाज डैरेन लेहमैन ने एक्स पर लिखा, डेमियन मार्टिन के लिए ढेर सारा प्यार और दुआएं। मजबूत और फाइटिंग लेजेंड बने रहो। परिवार को प्यार। डेमियन मार्टिन की गिनती ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले बेहतरीन बल्लेबाजों में होती है। वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते थे और अपने बेहतरीन स्ट्रोकप्ले के लिए जाने जाते थे। वनडे विश्व कप 2003 के फाइनल में भारत के खिलाफ उनकी नाबाद 88 रन की पारी उनके करियर की यादगार पारियों में एक है। इस पारी ने ऑस्ट्रेलिया को विश्व विजेता बनाने में यादगार भूमिका निभाई थी। 54 साल के डेमियन मार्टिन ने 1992 से 2006 तक ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट खेले। वे स्टीव वॉ की टीम के अहम खिलाड़ी बन गए। 2006 में उन्होंने संन्यास लिया था। टेस्ट में उन्होंने 46.37 की औसत से 13 शतक लगाते हुए 4,406 रन बनाए। 208 वनडे की 182 पारियों में 4 शतक और 37 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 40.80 की औसत से 5,346 रन बनाए। 4 टी20 मैचों में उन्होंने 120 रन बनाए। सर्वाधिक स्कोर 96 रन था। संन्यास के बाद मार्टिन कुछ समय के लिए बतौर कमेंटेटर नजर आए थे।

## ओलंपिक चैंपियन आंद्रे डी ग्रासे को बनाया टाटा मुंबई मैराथन का अंतरराष्ट्रीय दूत

**मुंबई।** दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता फर्राटा धावक आंद्र डि ग्रासे को 18 जनवरी को होने वाली 21वीं टाटा मुंबई मैराथन का अंतरराष्ट्रीय दूत बनाया गया है ।

डि ग्रासे सात ओलंपिक पदक जीत चुके हैं जिनमे तोक्यो में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ का स्वर्ण और पेरिस 2024 में चार गुणा सौ मीटर रिले का स्वर्ण शामिल है । उन्होंने कहा कि दौड़ने से अनुशासन विश्वास और दृढता सीखने को मिलती है जो आपके साथ हमेशा रहती है । मुझे टाटा मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

## चोटिल पाक तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी बीबीएल से लौटेंगे

**कराची।** पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी चोट के कारण आस्ट्रेलिया से बुधवार को स्वदेश लौटेंगे और उनका भारत और श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में खेलना संदिग्ध है।

शाहीन को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लाहौर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में उपचार के लिये बुला लिया है। उन्हें बिग बैश लीग में ब्रिसबेन हीट के लिये फील्डिंग करते समय चोट लगी थी । बीबीएल में पदार्पण कर रहे शाहीन का प्रदर्शन औसत रहा है । वह 2021 .22 में घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय क्रिकेट से दूर रहे थे।

पीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया से बातचीत के बाद उन्हें वापिस बुलाया गया है । उनकी चोट को लेकर प्रारंभिक फीडबैक यही मिला है कि उन्हें पूरे आराम की जरूरत है और चोट से उबरने में समय लगेगा ।

## विश्व ब्लिट्ज: कार्लसन को रिकॉर्ड नौवां खिताब , एरिगेसी को कांस्य

**दोहा।** विश्व ब्लिट्ज खिताब बरकरार रखने वाले शतरंज स्टार मैग्नस कार्लसन ने कहा कि वह काफी कठिन टूर्नामेंट था और वह खुशकिस्मत रहे कि शुरूआती दौर के खराब प्रदर्शन से उबरकर नौवीं बार खिताब जीत सके । कार्लसन ने अपना चिर परिचित खेल दिखाते हुए उजबेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को 2.5 . 1.5 से हराकर खिताब जीता । भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा ।

वह विश्व ब्लिट्ज में पदक जीतने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय पुरूष खिलाड़ी हैं । रैपिड और ब्लिट्ज दोनों स्वर्ण जीतने वाले कार्लसन ने फिडे से कहा ,'' यह काफी कठिन टूर्नामेंट था और इसमें कोई भी जीत सकता था । लेकिन नॉकआउट में पहुंचने के बाद मैने अपने खेल का पूरा मजा लेकर खेला और इसका फायदा भी मिला ।'' कार्लसन ने फाइनल में उजबेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ ड्रॉ पर सहमति जताने से इनकार कर दिया और चौथे गेम में शानदार प्रदर्शन करके जीत दर्ज की।

अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ 19वें दौर में ड्रॉ के बाद कार्लसन और इस उजबेक खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में आखिरी दो स्थान हासिल किये । शीर्ष पर काबिज एरिगेसी और दूसरे स्थान पर रहे अमेरिका के फेबियानो कारूआना अंतिम चार में पहुंच चुके थे । कार्लसन ने कारूआना को 3 . 1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई जबकि अब्दुसत्तोरोव ने एरिगेसी को मात दी । एरिगेसी ने कार्लसन और अब्दुसत्तोरोव जैसे धुरंधरों को हराकर पहला स्थान हासिल किया था । वह चार जीत और दो ड्रॉ के बाद शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंचे थे ।

अब्दुसत्तोरोव को वह सोमवार को हरा चुके थे लेकिन सेमीफाइनल में वह उस लय को कायम नहीं रख सके और 47 चालों के बाद 0 . 1 से पीछे थे ।दूसरा गेम 83 चालों में खत्म हुआ और तीसरा गेम ड्रॉ रखकर अब्दुसत्तोरोव ने फाइनल में जगह बनाई । महिला वर्ग में कजाखस्तान की बिबिसारा असायुबायेवा ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराकर तीसरा विश्व ब्लिट्ज खिताब जीता और कैंडिडेट्स 2026 के लिये क्वालीफाई भी कर लिया ।

## टी-20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान, गुलबदीन और नवीन की वापसी

**काबुल।** अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की राष्ट्रीय चयन समिति ने बुधवार को भारत व श्रीलंका में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार स्पिनर राशिद खान करेंगे, जबकि इब्राहिम जादरान को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। यही टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला में भी हिस्सा लेगी। विश्व कप अभियान से पहले अफगानिस्तान की टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी, जिसकी मेजबानी अफगानिस्तान करेगा। यह श्रृंखला 19 से 22 जनवरी के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित की जाएगी। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नैब और तेज गेंदबाज नवीन उल हक की वापसी हुई है। नवीन कंधे की चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं, जिससे अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिली है। बाएं हाथ के मध्यक्रम बल्लेबाज शाहिदुल्लाह कमाल और विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद इशाक ने अपनी जगह बरकरार रखी है। युवा तेज गेंदबाज अब्दुल्ला अहमदजई को भी मुख्य टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज फजल हक फारूकी को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। युवा स्पिनर एएम गजनफर को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है। उनके साथ मध्यक्रम बल्लेबाज इजाज अहमदजई और युवा तेज गेंदबाज जिया उर रहमान शरीफी भी रिजर्व पूल में शामिल हैं। एसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नसीब खान ने कहा कि पिछले टी-20 विश्व कप में अफगान टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। हमारे पास कई अच्छी यादें हैं और हमें उम्मीद है कि इस बार एशियाई परिस्थितियों में खेले जाने वाले टूर्नामेंट में टीम और भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज को लेकर कहा कि मजबूत टीम की मेजबानी हमें अपने संयोजन को परखने और विश्व कप के लिए बेहतर तैयारी का मौका देगी। मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलैमानखी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में गहन चर्चा के बाद टीम का चयन किया गया है। गुलबदीन नैब बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। हमें नवीन उल हक के वापस आने की भी खुशी है, जिससे हमारी तेज गेंदबाजी बेहतर होगी।

### अफगानिस्तान टीम

राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक , सिदीकुल्लाह अतल, दरवेश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नैब, मोहम्मद नबी, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, फजल हक फारूकी, अब्दुल्ला अहमदजई।

**रिजर्व खिलाड़ी**

एएम गजनफर, इजाज अहमदजई, जिया उर रहमान शरीफी।

## म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों में 2025 में 14 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि

**नई दिल्ली।** म्यूचुअल फंड उद्योग ने 2025 में अपनी तेजी जारी रखते हुए परिसंपत्ति आधार में रिकॉर्ड 14 लाख करोड़ रुपये जोड़े। खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी तथा व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) में रिकॉर्ड निवेश से कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) नवंबर तक बढ़कर 81 लाख करोड़ रुपये हो गईं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वेंकट चालसानी ने कहा कि उद्योग का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। निरंतर एसआईपी निवेश विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी की भरपाई कर रहे हैं और बाजार की मजबूती को सहारा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में फंड प्रवाह का रुख मूल्यांकन और वैश्विक घटनाक्रमों से तय होगा जिसमें निवेशक बड़े शेयर (लार्ज-कैप), विविधीकृत और हाइब्रिड रणनीतियों को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में शुद्ध निवेश प्रवाह सात लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं निवेशक आधार में 3.36 करोड़ की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। केवल एसआईपी के जरिये ही करीब तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ। इन प्रवाहों से उद्योग का एयूएम 2024 के अंत में 67 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत तक 81 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी इसमें 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि दर हालांकि 2024 की 31 प्रतिशत और 2023 की 27 प्रतिशत की तुलना में कम रही लेकिन दीर्घकालिक रुझान अब भी मजबूत बना हुआ है। उद्योग ने 2022 में सात प्रतिशत और 2021 में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

पिछले पांच वर्ष में कुल मिलाकर परिसंपत्ति आधार में 50 लाख करोड़ रुपये जोड़े हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में अनुसंधान के प्रधान प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि 2025 में एयूएम में तेज वृद्धि का कारण मजबूत शेयर बाजार प्रदर्शन और एसआईपी के माध्यम से लगातार खुदरा भागीदारी रही। उन्होंने कहा, "घरेलू बचत का लगातार वित्तीयकरण, पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों की बढ़ती संख्या और म्यूचुअल फंड को एक पारदर्शी एवं अच्छी तरह विनियमित निवेश विकल्प के रूप में बढ़ती प्राथमिकता ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई।" चालसानी ने कहा, "मध्यम से दीर्घ अवधि में बढ़ती वित्तीय जागरूकता, महानगरों से बाहर खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और एसआईपी को लगातार अपनाया जाना उद्योग की स्वस्थ, मजबूत एवं व्यापक वृद्धि को समर्थन देता रहेगा।" इसके साथ ही, म्यूचुअल फंड उद्योग ने एयूएम में लगातार 13वें साल वृद्धि दर्ज की है। इससे पहले पिछले दशक में दो वर्षों तक गिरावट देखी गई थी। यह दीर्घकालिक निवेश की ओर संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है। इस गति को मुख्य रूप से इक्विटी योजनाओं में खासकर एसआईपी के माध्यम से, लगातार निवेश से समर्थन मिला। इस उद्योग की 49 कंपनियों में नवंबर तक 2025 में कुल सात लाख करोड़ रुपये का निवेश आया जिसे इक्विटी फंड, आर्बिट्राज फंड, इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में मजबूत निवेश रुचि का समर्थन मिला। श्रीवास्तव ने कहा कि यह प्रवाह मुख्य रूप से मजबूत एसआईपी निवेश और भारत की दीर्घकालिक वृद्धि गाथा में निरंतर विश्वास से संभव हुआ। बाजार प्रदर्शन ने भी निवेशकों की धारणा को समर्थन दिया।

2025 में निफ्टी 50 में 8.4 प्रतिशत और बीएसई सेंसेक्स में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इक्विटी-उन्मुख योजनाओं में शुद्ध निवेश 3.53 लाख करोड़ रुपये रहा, जो अनुशासित और दीर्घकालिक निवेश की ओर संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है। एसआईपी निवेश प्रवाह की रीढ़ बने रहे। सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में यह लगातार 29,000 करोड़ रुपये से ऊपर रहा और अक्टूबर में रिकॉर्ड 29,529 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, 2025 में एसआईपी के माध्यम से सालाना निवेश 3.03 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है।

## गिग वर्कर्स की हड़ताल के बीच स्विगी और जोमैटो ने बढ़ाया डिलीवरी इंसेंटिव

**नई दिल्ली।** फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी और जोमैटो ने डिलीवरी पार्टनर्स की हड़ताल के बीच पीक घंटों और साल के अंतिम दिनों के लिए अधिक इंसेंटिव का ऐलान किया है। इस इंसेंटिव का ऐलान ऐसे समय पर किया गया है, जब गिग और प्लेटफॉर्म कर्मचारियों ने राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल का ऐलान किया है।

डिलीवरी वर्कर्स यूनियन ने कम भुगतान, काम करने की कठिन चुनौतियों और सामाजिक सुरक्षा के अभाव के कारण 25 दिसंबर से लेकर 31 दिसंबर तक हड़ताल का ऐलान किया था। जोमैटो ने नए साल की पूर्व संध्या पर ऑर्डर की अधिकता को देखते हुए, शाम 6 बजे से रात 12 बजे के बीच व्यस्त समय में डिलीवरी पार्टनर्स को प्रति ऑर्डर 120-150 रुपए का भुगतान देने की पेशकश की है। कंपनी ने ऑर्डर की संख्या और उपलब्धता के आधार पर दिन भर में 3,000 रुपए तक की कमाई का भी वादा किया है। अनियमित ऑर्डर प्रवाह के दौरान आय के जोखिम को कम करने के लिए प्लेटफॉर्म ने ऑर्डर अस्वीकार करने और रद्द करने पर लगने वाले जुर्माने को भी अस्थायी रूप से माफ कर दिया है। स्विगी ने डिलीवरी कर्मचारियों को 31 दिसंबर, 2025 से 1 जनवरी, 2026 के बीच 10,000 रुपए तक की कमाई का प्रस्ताव दिया है, जिसमें नए साल की पूर्व संध्या पर शाम 6 बजे से रात 12 बजे के बीच व्यस्त समय के दौरान 2,000 रुपए तक का भुगतान शामिल है। क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने भी डिलीवरी पार्टनर्स के लिए प्रोत्साहन राशि बढ़ा दी है।

इससे पहले 25 दिसंबर, 2025 की हड़ताल के दौरान, फूड डिलीवरी सर्विसेज में कुछ समय के लिए स्थानीय स्तर पर व्यवधान की सूचना मिली थी, हालांकि प्लेटफॉर्मों ने कहा कि दिन के अंत तक परिचालन स्थिर हो गया था। यूनियनों ने व्यापक भागीदारी का दावा किया है और 31 दिसंबर, 2025 को भी आंदोलन जारी रखने का आग्रह किया है। दोपहर 2:13 पर स्विगी का शेयर 1.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 389.40 रुपए प्रति शेयर पर था। बीते एक हफ्ते में शेयर 3.63 प्रतिशत से अधिक फिसल चुका है। इटरनल (जोमैटो) का शेयर 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 278 रुपए प्रति शेयर पर था। बीते पांच दिनों में शेयर में 2.50 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

भारत में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को नए लेबर कोड के सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के प्रावधानों के तहत ई-श्रम के जरिए औपचारिक कानूनी मान्यता, पोर्टेबल सोशल-सिक्योरिटी बेनिफिट्स और एक नेशनल रजिस्ट्रेशन फ्रेमवर्क का फायदा मिलता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सोशल सिक्योरिटी कोड के तहत, एग्रीगेटर्स को सालाना टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत, जो गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को किए गए या देय पेमेंट के 5 प्रतिशत तक सीमित है, सोशल सिक्योरिटी फंड में देना होगा।

## हुंदै मोटर इंडिया एक जनवरी से वाहनों के दाम बढ़ाएगी

**नई दिल्ली।** वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड एक जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में लगभग 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगी। कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण कंपनी वाहनों के दाम बढ़ा रही है। एचएमआईएल ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कीमती धातुओं और जिंस उत्पादों की कीमतें बढ़ने की वजह से कंपनी अपने सभी मॉडलों के दाम में लगभग 0.6% की औसत वृद्धि करेगी। कंपनी ने कहा, "हालांकि कंपनी उत्पादन लागत को अनुकूल करने और अपने ग्राहकों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए लगातार प्रयासरत है, लेकिन इस मामूली मूल्य वृद्धि से बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा बाजार पर डालने के लिए हम बाध्य हैं। कंपनी हैचबैक आई10 निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक5 तक कई वाहनों की बिक्री करती है।

## भारतीय अर्थव्यवस्था साल 2026 में भी बनी रहेगी मजबूत

**नई दिल्ली।** दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत साल 2026 में मजबूत स्थिति बनाए रखने की राह पर अग्रसर है, जहां मजबूत वृद्धि, कम महंगाई एवं सुदृढ़ बैंकिंग प्रदर्शन जैसे अनुकूल कारक मौजूद हैं। साल 2025 के दौरान देखी गई आर्थिक रफ्तार को कायम रखने के लिए सुधार पहलें भी तैयार हैं।

भाजपा नीत केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार से जीवन एवं कारोबार सुगमता के विषयों को आगे बढ़ाते हुए आगामी केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए उपायों की घोषणा किए जाने की उम्मीद है, जिससे शुल्क एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य बन सके। भारत सरकार ने जारी एक बयान में बताया कि भारत ने अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब 350 लाख करोड़ रुपये) की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ जापान को पछाड़ कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान हासिल कर लिया है। साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर (655 लाख करोड़ रुपये) के साथ अगले ढाई से तीन साल में जर्मनी को भी पीछे छोड़कर भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगातार तिमाहियों में बढ़ी है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में यह 8.2 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि खुदरा महंगाई दर साल 2025 की शुरुआत में 4.26 फीसदी थी, जो नवंबर तक आते-आते घट कर 0.71 फीसदी पर आ गई। खाने-पीने की चीजों की कीमतों में आई गिरावट इसका मुख्य कारण रही। सरकार राष्ट्रीय खातों के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदल कर 2022-23 करने पर भी काम कर रही है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना पद्धति को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा उठाई गई चिंताओं का प्रभावी समाधान किया जा सके। फरवरी में पेश होने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सुधारों को और गहरा करने तथा अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अतिरिक्त उपायों की घोषणा की व्यापक उम्मीदें हैं। केंद्र सरकार ने साल 2025 के अंत में जीएसटी दरों में कटौती की और नए श्रम संहिताओं को लागू किया।

### ग्लोबल एजेंसियों ने भारत का ग्रोथ अनुमान बढ़ाया

दुनिया की तमाम बड़ी रेटिंग एजेंसियों ने भारत के जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाया है। फिच का वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7.4 फीसदी ग्रोथ का अनुमान है, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का 7.2 फीसदी का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 6.6 फीसदी ग्रोथ का दावा किया है। वहीं, मूडीज ने भारत को जी-20 देशों में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बताया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक गति दर्शाते हुए चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने अपनी ब्याज दरों में भी 0.25 फीसदी की कटौती की है, जिससे अब यह घटकर 5.25 फीसदी पर आ गई है। इससे होम लोन और कार लोन सस्ते होने की उम्मीद है।

## निर्यातकों की बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए 4,531 करोड़ रुपये की योजना शुरू

**नई दिल्ली।** सरकार ने निर्यातकों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच दिलाने के इरादे से बुधवार को 4,531 करोड़ रुपये की बाजार पहुंच समर्थन योजना शुरू की। इसके तहत निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और खरीदारों से सीधे संपर्क से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारतीय निर्यातक अमेरिका द्वारा लगाए गए लगभग 50 प्रतिशत आयात शुल्क के कारण दबाव में हैं।

यह योजना सरकार के 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन का हिस्सा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, वर्ष 2025 से 2031 के बीच इस योजना पर 4,531 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि चालू वित्त वर्ष के लिए 500 करोड़ रुपये अलग से निर्धारित किए गए हैं। विदेश व्यापार महानिदेशक अजय भादू ने कहा कि योजना के तहत खरीदारों और विक्रेताओं की बैठक, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों और विदेशी खरीदारों के भारत आकर स्थानीय निर्यातकों से सीधे बातचीत करने वाले आयोजनों के लिए संगठित वित्तीय और संस्थागत सहयोग दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि निर्यातकों को बेहतर योजना बनाने में मदद के लिए प्रमुख बाजार पहुंच कार्यक्रमों का तीन से पांच वर्ष का अग्रिम कार्यक्रम पहले ही मंजूर किया जाएगा। इससे बाजार विकास के प्रयासों में निरंतरता बनी रहेगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि समर्थित कार्यक्रमों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की कम-से-कम 35 प्रतिशत भागीदारी अनिवार्य होगी।

# सोहा अली खान

## ने झटपट बनाया हेल्दी ग्रीन जूस, फैंस को बताई रेसिपी

**मुंबई।** अभिनेत्री सोहा अली खान अपने सेहत का खास ख्याल रखती हैं। इस कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन जूस बनाती हुई नजर आईं। सोहा ने इसे 'न्यू ईयर का तोहफा' बताया। यह जूस हाइड्रेशन, फाइबर और मिनरल्स से भरपूर है, जो पाचन, हार्मोन बैलेंस और एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए हेल्दी जूस की रेसिपी भी बताई। उन्होंने बताया कि यह रेसिपी न सिर्फ हेल्दी है बल्कि घर पर आसानी से बनाई जा सकती है। इसके लिए गाजर, खीरा, अजवाइन, चिया सीड्स, ड्रैगन फ्रूट, अदरक, धनिया, मूंग अंकुर और ग्रीन्स लें और सभी को ब्लेंड करके पी लें। सोहा ने सलाह दी कि धीरे-धीरे शुरू करें और शरीर की सुनें। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, "मेरी तरफ से आपको हैप्पी न्यू ईयर का तोहफा। जैसा कि वादा किया था, यह रहा ग्रीन जूस जो मैं ज्यादातर सुबह पीती हूं। यह कोई हार्ड डिटॉक्स जूस नहीं है। यह आपको हेल्दी बनाएगा, इसे रोजाना पीएं। यह हाइड्रेशन, फाइबर, मिनरल्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है, जो शरीर को वह काम करने में मदद करते हैं जो उसे पहले से ही पता है। यह जूस पाचन सुधारने, हार्मोन बैलेंस रखने और पूरे दिन एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। खासकर जब भारीपन या सुस्ती महसूस हो, तब यह और भी कारगर है। अभिनेत्री सोहा ने बताया कि इसे आमतौर पर वह नाश्ते के बाद और लंच से पहले पीती हैं। यही नहीं, सोहा अली ने फैंस को हेल्दी ग्रीन जूस की रेसिपी भी बताई, जो बेहद साधारण और पौष्टिक है। इसके लिए गाजर, खीरा, दो डंठल अजवाइन, आधा कप नारियल पानी, आधा चम्मच चिया सीड्स (रात भर भिगोए हुए), एक छोटा टुकड़ा ड्रैगन फ्रूट (क्यूब्स में कटा हुआ), ताजा कसा हुआ अदरक, मुट्ठी भर धनिया पत्ती, एक मुट्ठी मूंग दाल के अंकुर (हल्के से स्टीम किए हुए) और एक मुट्ठी बेबी ग्रीन्स लें। उन्होंने बताया कि इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। सभी सामग्री को ब्लेंडर में डालकर चिकना होने तक ब्लेंड करें। अगर पतला जूस पसंद हो तो थोड़ा और नारियल पानी मिला लें। सोहा ने फैंस को सलाह दी कि धीरे-धीरे शुरू करें और सामग्री में बदलाव करते रहें। यह जूस विटामिन, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होने से इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी मदद करता है। सोहा अली खान एक्टिंग के साथ ही फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर योग, वर्कआउट और डाइट टिप्स शेयर करती रहती हैं।

# नए साल से पहले नुसरत भरुचा ने बाबा महाकाल के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने नए साल से पहले उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। नुसरत ने पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर में आयोजित भस्म आरती में हिस्सा लिया, जहां वे पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आईं। यह नुसरत भरुचा का बाबा महाकाल के धाम में दूसरा दौरा था। तड़के सुबह आयोजित आरती के दौरान वे नंदी हॉल में बैठकर ध्यान और प्रार्थना करती दिखीं। इस विशेष अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने नुसरत को महाकाल अंकित अंगवस्त्र प्रसाद स्वरूप भेंट किया, जिसे उन्होंने खुशी और श्रद्धा के साथ स्वीकार किया। दर्शन के बाद नुसरत ने मंदिर में की गई व्यवस्थाओं की सराहना की और अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद दर्शन और आरती की व्यवस्था बेहद सुचारू और अनुशासित रही। नुसरत ने बताया कि बाबा महाकाल का आशीर्वाद उन्हें गहरी शांति, सकारात्मकता और नई ऊर्जा से भर देता है। नुसरत भरुचा ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों के जरिए एक मजबूत पहचान बनाई है। 'प्यार का पंचनामा' और 'प्यार का पंचनामा 2' से उन्हें खास लोकप्रियता मिली, जिसके बाद 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी हिट फिल्मों में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया। हाल के वर्षों में 'छोरी' और 'छोरी 2' जैसी कंटेंट-ड्रिवन हॉरर फिल्मों में उनकी गहन और प्रभावशाली अदाकारी को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली।

# यश की 'टॉक्सिक' से नयनतारा का गंगा वाला पहला लुक आया सामने

**मुंबई।** जैसे-जैसे यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' अपनी 19 मार्च 2026 की थिएट्रिकल रिलीज़ के करीब पहुंच रही है, फिल्म की रहस्यमयी और डार्क दुनिया से जुड़े राज़ धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। इसी कड़ी में मेकर्स ने अब नयनतारा का दमदार पहला लुक पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह 'गंगा' के किरदार में बेहद खूबसूरत, खतरनाक और ताकतवर अंदाज़ में नजर आ रही हैं। पोस्टर साफ संकेत देता है कि गंगा का किरदार यश के करियर के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक में गेम-चेंजर साबित होने वाला है। अपनी स्टारडम, भावनात्मक गहराई और बहुआयामी अभिनय के लिए जानी जाने वाली नयनतारा इस फिल्म में अब तक के अपने सबसे अलग और इंटेंस अवतार में दिखेंगी, ऐसा अवतार, जो दर्शकों को हैरान कर देगा। गंगा के रूप में नयनतारा की मौजूदगी स्क्रीन पर तुरंत असर छोड़ती है। हाथ में बंदूक, चेहरे पर आत्मविश्वास और आंखों में बेखौफ ठहराव, वह किरदार जो किसी कमरे में सिर्फ दाखिल नहीं होता, बल्कि पूरे माहौल को अपनी मौजूदगी से बदल देता है। फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने नयनतारा को कास्ट करने पर कहा कि वह हमेशा से उनकी स्क्रीन प्रेज़ेंस की प्रशंसक रही हैं, लेकिन 'टॉक्सिक' में दर्शक उन्हें बिल्कुल नए रूप में देखेंगे। यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में शूट की गई है, जिसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा, यानी फिल्म पूरी तरह ग्लोबल स्केल पर तैयार की जा रही है। 'टॉक्सिक' का भव्य रिलीज़ 19 मार्च 2026 को मेगा फेस्टिव वीकेंड पर होगा।

# बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया सुपुर्द-ए-खाक

**ढाका।** बांग्लादेश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को बुधवार सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनके लिए नमाज-ए-जनाजा दोपहर को ढाका के माणिक मिया एवेन्यू में पढ़ी गई। उनके पार्थिव शरीर को उनके पति जिया-उर-रहमान की कब्र के पास दफन किया गया। बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों से शोक में डूबे हजारों लोग इस मौके पर मौजूद रहे। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर ने भी खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शोक पत्र सौंपा।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार 80 वर्षीय खालिदा को 23 नवंबर को एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह दिल और फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित थीं। वह निमोनिया से भी जूझ रही थीं। इसी साल छह मई को एडवांस मेडिकल केयर लेने के बाद लंदन से लौटने के बाद से खालिदा की एवरकेयर अस्पताल में नियमित जांच हो रही थी। खालिदा ने 80 वर्ष की आयु में संघर्ष की मजबूत विरासत के साथ कल यहां एवरकेयर अस्पताल में अंतिम सांस ली। आज दोपहर 2:30 बजे बैतुल मोकर्रम नेशनल मस्जिद के खतीब मुफ्ती अब्दुल मालेक ने नमाज-ए-जनाजा पढ़ाई। उन्हें आज जातीय संसद भवन के साउथ प्लाजा में नमाज-ए-जनाजा के बाद राजधानी के शेर-ए-बांग्ला नगर में उनके पति पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान के बगल में दफनाया गया।

उनके जनाजे में शामिल 32 राजनयिकों में कार्यवाहक अमेरिकी राजदूत मेगन बोल्डिन, ब्रिटिश उच्चायुक्त सारा कुक, चीन के राजदूत याओ वेन और यूरोपीय संघ के राजदूत माइकल मिलर शामिल हैं। इसके अलावा कार्यवाहक रूसी राजदूत एकातेरिना सेमेनोवा, जापानी राजदूत साइदा शिनिची, कनाडाई उच्चायुक्त अजीत सिंह, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त सुसान रिले और रेटो सिगफ्रीड रेंगली भी शामिल हैं। इनके अलावा, नीदरलैंड, लीबिया, फिलीपींस, सिंगापुर, फिलिस्तीन, दक्षिण कोरिया, म्यांमार, इटली, स्वीडन, स्पेन, इंडोनेशिया, नॉर्वे, ब्राजील, मोरक्को, ईरान, अल्जीरिया, ब्रुनेई, थाईलैंड, कतर, डेनमार्क और मलेशिया के राजदूत और उच्चायुक्त भी जनाजे में शामिल हुए।

वह अपने बेटे तारिक, उनकी पत्नी और उनकी बेटी को पीछे छोड़ गईं। तारिक रहमान 17 साल के निर्वासन के बाद 25 दिसंबर को बांग्लादेश लौटे। खालिदा के छोटे बेटे अराफात रहमान कोको की कुछ साल पहले मलेशिया में मौत हो चुकी है। पूर्व प्रधानमंत्री को 08 फरवरी, 2018 को भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल भेजा गया। कोरोनाकाल में उन्हें 25 मार्च, 2020 को कुछ शर्तों पर अस्थायी रिहाई दी गई। खालिदा का जन्म 1945 में जलपाईगुड़ी में हुआ था। उन्होंने शुरू में दिनाजपुर मिशनरी स्कूल में पढ़ाई की और बाद में 1960 में दिनाजपुर गर्ल्स स्कूल से मैट्रिक किया।

## विदेश मंत्री जयशंकर ने जिया के बेटे तारिक रहमान को प्रधानमंत्री मोदी का पत्र सौंपा

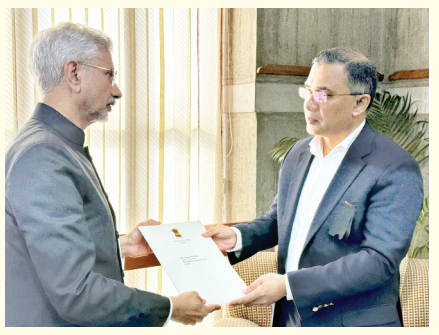

**ढाका।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। जयशंकर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शमिल होने के लिए यहां पहुंचे हैं। ढाका पहुंचने के तुरंत बाद जयशंकर ने बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और जिया के सबसे बड़े बेटे रहमान से मुलाकात की और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने वाली इस महान नेता के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा कि मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। मैंने भारत सरकार और जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। विदेश मंत्री ने कहा कि मैंने विश्वास व्यक्त किया कि बेगम खालिदा जिया के दृष्टिकोण और मूल्य हमारी साझेदारी के विकास में मार्गदर्शक बनेंगे। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जिया के निधन पर शोक व्यक्त किया था। तीन बार प्रधानमंत्री रहीं और लंबे समय तक बीएनपी की अध्यक्ष रहीं जिया का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को ढाका में निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं।

# अमेरिका ने मिनेसोटा का चाइल्ड केयर फंड रोका

**वाशिंगटन।** अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग (एचएचएस) ने वायरल धोखाधड़ी के आरोपों का हवाला देते हुए मिनेसोटा राज्य के संघीय चाइल्ड केयर फंड (बाल देखभाल भुगतान) पर रोक लगा दी। एचएचएस के उप सचिव जिम ओ'नील ने एक्स में मंगलवार को इस कदम की घोषणा करते हुए लिखा कि मिनेसोटा और पूरे देश में बड़े पैमाने पर खुली धोखाधड़ी हो रही है। हमने पैसे का भुगतान रोक दिया है। धोखाधड़ी का पता लगाया जा रहा है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओ'नील ने यह जानकारी साझा करते हुए वीडियो का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कंजर्वेटिव यू-ट्यूबर निक शर्ली ने आरोप लगाया कि फंड लेने वाले मिनेसोटा के लगभग एक दर्जन डे केयर सेंटर असल में सेवाएं नहीं दे रहे हैं। ओ'नील ने कहा कि एजेंसी ने वीडियो में बताए गए सेंटरों की पहचान कर ली है। राज्य से उनका व्यापक विवरण मांगा गया है। राज्य के रिकॉर्ड के अनुसार, दो डे केयर सेंटर को छोड़कर सभी मान्यता प्राप्त हैं।

मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि गवर्नर वर्षों से धोखाधड़ी से लड़ रहे हैं, जबकि राष्ट्रपति धोखेबाजों को जेल से बाहर निकाल रहे हैं। धोखाधड़ी गंभीर मुद्दा है। लेकिन यह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। इससे मिनेसोटा के लोगों को नुकसान होगा। लोगों की मदद करने वाले सरकारी कार्यक्रमों की फंडिंग नहीं बंद की जानी चाहिए।

ओ'नील ने कहा कि अब देश भर में किए जाने वाले सभी भुगतानों के लिए किसी भी राज्य को पैसे भेजने से पहले एक शपथपत्र, एक रसीद और फोटो की जरूरत होगी। एचएचएस के साझा किए गए एक वीडियो में एजेंसी के प्रमुख एलेक्स एडम्स ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन फॉर चिल्ड्रन एंड फैमिलीज सालाना मिनेसोटा को चाइल्ड केयर फंड में लगभग 185 मिलियन डॉलर (1,661.22 करोड़ रुपये) भेजता है। इससे कम आय वाले परिवारों के लगभग 23,000 बच्चों की सहायता होती है।

## ईरान-वेनेजुएला हथियार व्यापार को लेकर अमेरिका ने नए प्रतिबंध लगाए

**वॉशिंगटन।** अमेरिका ने ईरान और वेनेजुएला के बीच कथित हथियार व्यापार को लेकर सख्त कदम उठाते हुए 10 व्यक्तियों और संस्थाओं पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने मंगलवार को बताया कि ये प्रतिबंध ईरान के आक्रामक हथियार कार्यक्रम से जुड़े होने के आरोप में लगाए गए हैं। ट्रेजरी विभाग के अनुसार, वेनेजुएला स्थित एम्प्रेसा एयरोनॉटिका नेसियोनाल एसए (EANSA) और उसके चेयरमैन जोस जीसस उर्दानेता गोंजालेज को प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिका का आरोप है कि इन दोनों ने ईरान और वेनेजुएला के बीच मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), यानी ड्रोन के व्यापार में भूमिका निभाई। बयान में कहा गया कि उर्दानेता ने EANSA की ओर से वेनेजुएला और ईरान की सशस्त्र सेनाओं के अधिकारियों के साथ समन्वय कर वेनेजुएला में ड्रोन उत्पादन को आगे बढ़ाया।

# माली व बुर्किना फासो ने अमेरिकी नागरिकों के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध

**बमाको (माली)/ औगाडौगू (बुर्किना फासो)।** माली और बुर्किना फासो ने अमेरिकी नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। दोनों देशों की यह प्रतिक्रिया अमेरिका के कठोर कदमों के जवाब में आई है। माली सरकार ने मंगलवार को इस आशय की घोषणा की। बुर्किना फासो ने भी कहा है कि उसने अमेरिकी नागरिकों के देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

माली की फ्रेंच भाषा की न्यूज वेबसाइट सहेलियन डॉट कॉम और अफ्रीकन डॉट ईएन की रिपोर्ट के अनुसार, माली सरकार ने 30 दिसंबर को अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की घोषणा की। यह कदम माली के नागरिकों को निशाना बनाते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश प्रतिबंधों को सख्त करने के बाद उठाया गया है। माली के विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय ने बयान में कहा कि उसने 16 दिसंबर, 2025 के अमेरिकी फैसले पर विचार-विमर्श के बाद यह कदम उठाया है।

बमाको ने वाशिंगटन के सुरक्षा कारणों पर अपने नागरिकों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर भी सवाल उठाया है। माली के अधिकारियों ने घोषणा की है कि अमेरिकी नागरिकों पर अब वही प्रवेश शर्तें लागू होंगी जो संयुक्त राज्य अमेरिका जाने वाले माली के नागरिकों पर लागू होती हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते नाइजर ने भी इसी तरह के कदम उठाते हुए सभी अमेरिकी नागरिकों को वीजा जारी करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। बुर्किना फासो के विदेशमंत्री करामोको जीन-मैरी ट्राओरे ने नेशनल टेलीविजन पर कहा कि देश के सैन्य शासक की सलाह पर अमेरिकी नागरिकों के लिए वीजा नियम कठोर करते हुए उनके प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। सैन्य शासक कैप्टन इब्राहिम ट्राओरे ने अमेरिका के कदमों को अशोभनीय माना है। ट्राओरे का यह बयान राजधानी औगाडौगू में अमेरिकी दूतावास द्वारा बुर्किना फासो के निवासियों के लिए वीजा सेवाओं को निलंबित करने और आवेदनों को पड़ोसी टोगो में अपने दूतावास में भेजने के कुछ ही घंटों बाद आया। दूतावास ने इस कदम का कोई कारण नहीं बताया।